प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष–4 | अंक–201 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 15 सितंबर 2026 | पेज–12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

तहसीलों के चक्कर से मिलेगी राहत, तीन नए पोर्टल से आसान होंगी राजस्व सेवाएं

धारा 116 में भूमि विभाजन की प्रक्रिया होगी ऑनलाइन, ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र के आवेदन और निस्तारण में आएगी पारदर्शिता

सरलीकृत खतौनी में छह दशमलव तक क्षेत्रफल दर्ज होगा, छोटे भूखंडों की जानकारी और सीमा विवादों के समाधान में मिलेगी मदद

यूनिक समय, मथुरा। राजस्व से जुड़ी सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल और सुलभ बनाने के लिए प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन की ओर से तीन नए विशेष पोर्टल शुरू किए गए हैं। इन डिजिटल सुविधाओं का लाभ जिले के नागरिक जनसेवा केंद्रों के माध्यम से उठा सकेंगे। नई व्यवस्था लागू होने से भूमि विभाजन, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग का प्रमाणपत्र और खतौनी से जुड़ी सेवाओं के लिए लोगों को बार–बार तहसील कार्यालयों के चक्कर लगाने से राहत मिलने की उम्मीद है।

धारा 116 पोर्टल के माध्यम से भूमि के बंटवारे या विभाजन के लिए अब ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा। आवेदन प्रक्रिया डिजिटल होने के साथ ही नोटिस, उद्घोषणा और संबंधित रिपोर्ट तैयार करने का काम भी ऑनलाइन होगा। पोर्टल में जीआईएस तकनीक का इस्तेमाल किए जाने से भूमि की भौगोलिक

चंद्रप्रकाश सिंह, डीएम

स्थिति को सटीक तरीके से देखने और जांचने में सुविधा मिलेगी। इससे भूमि विभाजन की प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित और पारदर्शी बनाने में मदद मिलेगी। ईडब्ल्यूएस पोर्टल के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन आवेदन की सुविधा मिलेगी। आवेदन के निस्तारण की प्रक्रिया लेखपाल और तहसीलदार स्तर पर डिजिटल माध्यम से पूरी की जाएगी। आवेदक अपने आवेदन की स्थिति और उसकी प्रगति ऑनलाइन देख सकेंगे। इससे आवेदन के निस्तारण में पारदर्शिता बढ़ेगी और लोगों को अनावश्यक तरीके से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। वहीं, सरलीकृत खतौनी पोर्टल में भूमि का क्षेत्रफल दशमलव के छह अंकों तक प्रदर्शित किया जाएगा। इससे छोटे भूखंडों की नाप–जोख और अभिलेखों में दर्ज भूमि की जानकारी अधिक सटीक रूप से सामने आएगी। अधिकारियों के अनुसार, इससे भूमि की सीमाओं को लेकर होने वाले विवादों में कमी लाने में भी मदद मिल सकती है। पुराने हस्तलिखित रिकॉर्ड और जटिल खतौनी को डिजिटल और सरल प्रारूप में समझना भी आसान होगा। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के नागरिक इन तीनों सुविधाओं का लाभ अपने नजदीकी जनसेवा केंद्र से उठा सकेंगे। प्रशासन का उद्देश्य राजस्व सेवाओं को त्वरित, पारदर्शी और विवादमुक्त बनाना है।

डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने बताया कि अब आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के प्रमाण सहित दो अन्य सेवाओं को ऑनलाइन पोर्टल से जोड़ दिया गया है। आवेदक जन सेवा केंद्रों के जरिये इन कार्यों के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। तहसील और अन्य कार्यालयों में चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी।

कोसीकलां की 12 करोड़ की चोरी का 12 घंटे में खुलासा

मंगलवार को पुलिस लाइन में कोसीकलां में हुई चोरी के खुलासे की जानकारी देते एडीजी एसके भगत, साथ हैं डीआईजी शैलेश पांडेय, एसएसपी श्लोक कुमार आदि।

दो भाई और दो महिलाएं गिरफ्तार, सात किलो सोना और 11 लाख की नकदी बरामद

यूनिक समय, कोसीकलां। सर्राफा बाजार में जुगल किशोर ज्वैलर्स की दुकान से हुई करीब 12 करोड़ रुपये की चोरी का पुलिस ने महज 12 घंटे में खुलासा करने का दावा किया है। पुलिस ने मामले में दो सगे भाइयों और दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर सात किलो 50 ग्राम सोना और 11 लाख रुपये की नकदी बरामद की गई है।

नगर के बल्देवगंज निवासी वरुण कुमार अग्रवाल और उनके भाई अमित कुमार अग्रवाल की भरत मिलाप चौक स्थित सर्राफा बाजार में जुगल किशोर ज्वैलर्स के नाम से दुकान है। रविवार रात चोरों ने दुकान से करीब साढ़े 10 किलो सोना और 15 लाख रुपये की नकदी चोरी कर ली थी। वरुण अग्रवाल की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।

घटना की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी शैलेश पांडेय ने एसएसपी श्लोक कुमार के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया और पुलिस टीमों को दिशा–निर्देश दिए। अपर पुलिस महानिदेशक एसके भगत ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए कई पुलिस टीमें लगाई गई थीं। टीमों ने करीब 100 से 125 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और स्थानीय अपराधियों से भी जानकारी जुटाई।

जांच के दौरान पुलिस को रामनगर, कोसीकलां निवासी विष्णु उर्फ पप्पू सोनी और उसके भाई मोहन सोनी के बारे में सुराग मिला।

पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर सात किलो 50 ग्राम सोना और 11 लाख रुपये बरामद किए। पुलिस के अनुसार, चोरी का माल छिपाने और आरोपियों की मदद करने के मामले में दो महिलाओं को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस का दावा है कि घटना की सूचना मिलने के करीब 12 घंटे के भीतर आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी मात्रा में चोरी का माल बरामद कर लिया गया। हालांकि, चोरी हुए शेष माल की बरामदगी और घटना में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच जारी है।

चोरी की घटना का खुलासा करने वाली टीमों में कोसीकलां थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश सिंह, निरीक्षक अपराध सुरेंद्र कुमार, निरीक्षक सत्यप्रकाश, उप निरीक्षक महेंद्र सिंह, उप निरीक्षक राजीव तोमर, उप निरीक्षक उत्तम चौहान, उप निरीक्षक हरेंद्र कुमार, उप निरीक्षक नकुल कुमार, उप निरीक्षक विनीत नेहरा, उप निरीक्षक दुष्यंत कौशिक, उप निरीक्षक अंकित शर्मा, उप निरीक्षक काजल, थाना प्रभारी निरीक्षक शेरगढ़ अजय किशोर, थाना अध्यक्ष जैंत सोनू और टीम के अलावा पुलिसकर्मी शामिल हैं।

सर्राफा व्यवसाई ने की पुलिस की प्रशंसा

अमित अग्रवाल।

यूनिक समय, मथुरा। सर्राफा व्यवसाई अमित अग्रवाल ने पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई का तहेदिल से घन्यवाद दिया है। अमित अग्रवाल का कहना है कि पुलिस ने जितनी तेजी के साथ कार्रवाई करके चोरी गया पूरा माल बरामद कर लिया। उसके लिए पुलिस सम्मान की हकदार है। पुलिस की जितनी प्रशंसा की जाए वो कम है।

पप्पू को पूरी जानकारी थी, ठीक नहीं था काम का रिकार्ड

यूनिक समय, मथुरा। गिरफ्तार अभियुक्त विष्णु उर्फ पप्पू सोनी पहले जुगल किशोर ज्वैलर्स की दुकान में कारीगर का काम करता था। वहां की गई बेइमानी पर उसे हटा दिया गया था। बताया गया कि उसने सर्राफा बाजार में किसी दूसरे सर्राफ की दुकान पर काम किया, वहां सोने की बेइमानी करने पर उसने सर्राफ को पैसे देकर किसी तरह सेटिलमैंट किया था। जांच में पुलिस को विष्णु उर्फ पप्पू सोनी की भूमिका भी संदिग्ध लगी। पुलिस ने उसे पकड़ा तो मामला पूरा खुल गया। रिकवरी का यह भी एक कारण हो सकता है। पुलिस को घटनास्थल से भी इस तरह की जानकारी लगी थी कि बिना ताले तोड़े तालों को खोलकर चोरी हुई उससे किसी जानकार के हाथ होने की संभावनाए थी।

एडीजी ने दिया एक लाख का इनाम

यूनिक समय,मथुरा। अपर पुलिस महानिदेशक एसके भगत ने 12 करोड़ की चोरी की घटना का अनावरण करने वाली टीम को एक लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है।

कोसीकलां में दो एसपी डाले रहे डेरा

यूनिक समय, मथुरा। कोसीकलां में हुई चोरी की वारदात के बाद एसपी ग्रामीण सुरेशंचद रावत, एसटीएफ आगरा के एसपी राकेश यादव और सीओ छाता भूषण वर्मा ने कोसीकलां में डेरा डाल रखा था। पुलिस टीम की कार्रवाई में अधिकारी लगातार टीम को गाइड करते रहे।

ई–रिक्शा हटाने को लेकर वृंदावन में बवाल अस्पताल में भी मारपीट

यमुना किनारे डंडे लेकर भिड़ते ई–रिक्शा चालक और नाविक।

चीरघाट पर दोनों पक्ष भिड़े, ईंट–पत्थर और लाठी–डंडे चले अस्पताल कर्मी घायल

यूनिक समय, वृंदावन। बांके बिहारी मंदिर के वीआईपी रोड पर ई–रिक्शा हटाने को लेकर मंगलवार को पार्किंग संचालक और ई–रिक्शा चालक पक्ष के बीच विवाद हो गया। मामला बढ़ने पर दोनों पक्ष चीरघाट पहुंच गए, जहां करीब 15 मिनट तक जमकर मारपीट हुई। ईंट–पत्थर और लाठी–डंडे चलने से दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। विवाद के बाद जिला संयुक्त चिकित्सालय में भी मारपीट का आरोप है।

बताया गया कि जादौन पार्किंग के गेट पर एक ई–रिक्शा खड़ा था। पार्किंग संचालक प्रियांशु ने चालक से रिक्शा हटाने को कहा। इसी बात पर कहासुनी हो गई। आरोप है कि चालक ने अपने साथियों को बुला लिया और दोनों पक्षों में मारपीट शुरू हो गई। चालक पक्ष के लोग मौके से यमुना किनारे चीरघाट की ओर चले गए। कुछ देर बाद प्रियांशु भी साथियों के साथ वहां पहुंच गया। दोनों पक्षों के आमने–सामने आने के बाद विवाद फिर भड़क गया।

आरोप है कि इसी दौरान एक युवक सुआ लेकर पहुंचा और लोगों पर हमला करने लगा। घटना में कई लोग घायल हुए। घायलों को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया। आरोप है कि बाद में प्रियांशु अपने साथियों के साथ दो वाहनों से अस्पताल पहुंचा और एंबुलेंस चालक जितेंद्र और अस्पताल स्टाफ आख्या राम से मारपीट की। हमले में आख्या राम गंभीर घायल हो गया। कांग्रेस प्रवक्ता कुंवर सिंह निषाद ने आरोप लगाया कि विवाद में निषाद समाज के नाविकों से मारपीट हुई और दो नाविक गंभीर घायल हैं। पुलिस के अनुसार चार से अधिक लोग घायल हुए हैं। अभी किसी पक्ष ने तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

घर से निकला युवक लापता,तलाश में जुटी पुलिस

यूनिक समय, मथुरा। थाना जमुनापार क्षेत्र में 25 वर्षीय युवक के घर से निकलने के बाद लापता होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में ऊषा निवासी शिवपुरी कॉलोनी लक्ष्मीनगर ने पुलिस में गुमशुदगी दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका बेटा हरीश 28 अगस्त शाम करीब चार बजे घर से बिना किसी को बताए कहीं चला गया। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अधिवक्ताओं ने किया सरकार की कैशलेस योजना का स्वागत

योजना में सक्रिय अधिवक्ताओं की कैसे होगी पहचान, उठ रहा सवाल

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के लिए पांच लाख रुपये तक के कैश लेस इलाज की व्यवस्था करने के लिए वकीलों ने स्वागत किया है, लेकिन सरकार द्वारा सक्रिय वकीलों को ही इसके लाभ की बात को लेकर अधिवक्ताओं में कुछ संशय की स्थिति है।

कचहरी में प्रेक्टिस करने वाले अधिवक्ताओं से की गई बातचीत में उन्होंने प्रदेश सरकार द्वारा वकीलों को दिए जाने वाले पांच लाख कैशलेस इलाज की सुविधा का स्वागत किया है। अधिवक्ताओं का कहना है कि इससे आर्थिक रुप से कमजोर अधिवक्ताओं को फायदा होगा। अधिवक्ताओं का कहना है कि वर्तमान में बार की ओर से आर्थिक रुप से कमजोर अधिवक्ताओं को हादसे में घायल होने पर मदद की जाती है।

अधिवक्ता ओमवीर सारस्वत का कहना है कि योगी आदित्यनाथ द्वारा अधिवक्ताओं के लिए पांच लाख की कैशलेस चिकित्सा योजना का जो ऐलान किया गया है, उससे गरीब परिवार के अधिवक्ताओं को लाभ मिलेगा। बशर्ते इसका अनुपालन ईमानदारी से हो सके, सुविधाजनक तरीके से कार्ड बन जाएं और चिकित्सक पॉलिसी की धनराशि की लूट न करें।

अधिवक्ता गफ्फार अब्बास का कहना है कि सरकार द्वारा पांच लाख की कैशलेस चिकित्सा योजना का जो एलान किया गया है। योजना तो लुभावनी है, लेकिन उसमें वकीलों के लिए जो सक्रिय शब्द जोड़ा गया है। लाभ किन्हें मिलेगा और किन्हें नहीं मिलेगा। बार एसोसिएशन को इसका अधिकार हो कि वह कार्ड बना कर इस योजना का वकीलों को फायदा दिलाएं।

अधिवक्ता अनीता चावला ने भी योगी आदित्यनाथ द्वारा वकीलों को पांच लाख का कैशलेस चिकित्सा योजना का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से गरीब वकीलों को फायदा मिलेगा। योजना का क्रियान्वयन ठीक तरीके से हो।

अधिवक्ता अरशद हुसैन रिजवी ने भी सरकार द्वारा पांच लाख रुपये के कैशलेस चिकित्सा व्यवस्था के कदम को एक अच्छा कदम बताया है। उनका कहना है कि सरकार की ये योजना अगर धरातल पर ठीक रुप से उतरती है तो योजना वकीलों के लिए मील का पत्थर साबित होगी।

सड़क किनारे खड़े युवक को तेज रफ्तार बाइक सवार ने मारी टक्कर

यूनिक समय, छाता। केडी मेडिकल कॉलेज के पास सड़क किनारे खड़े युवक को पीछे से आ रही तेज रफ्तार बाइक ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक गंभीर घायल हो गया। घटना सात सितंबर की मध्यरात्रि करीब दो बजे की बताई गई है। मामले में लखन सिंह निवासी जेएम एन्क्लेव, जगदीशपुरा, नगर कमिश्नरेट आगरा ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लखन सिंह के चचेरे भाई हेमंत फौजदार निवासी दुल्हारा फतेहपुर सीकरी आगरा अपने गांव के साथी शेर सिंह के साथ कार से दिल्ली से आगरा की ओर जा रहे थे। केडी मेडिकल कॉलेज के पास अचानक गाय सामने आ जाने से कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर की रेलिंग में घुस गई। इसके बाद हेमंत कार से उतरकर सड़क किनारे खड़े होकर कार को देख रहे थे। तभी पीछे से आई बाइक के चालक ने हेमंत को टक्कर मार दी। हादसे में उनके पैर में गंभीर चोट आई। उपचार के लिए उन्हें जिला अस्पताल मथुरा ले जाया गया, जहां से आगरा रेफर कर दिया गया।

बैंक कर्मचारी को आपत्तिजनक संदेश भेजने में फंसे सपा नेता

मोबाइल नंबर हासिल कर धमकीपूर्ण संदेश भेजने का आरोप, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। बैंक कर्मचारी को कथित तौर पर आपत्तिजनक और धमकीपूर्ण संदेश भेजने के मामले में कोतवाली पुलिस ने सपा नेता के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। महिला बैंककर्मी ने निजी मोबाइल नंबर बिना अनुमति हासिल करने, आपत्तिजनक संदेश भेजने और मोबाइल गतिविधियों पर निगरानी रखने की आशंका जताते हुए पुलिस से शिकायत की थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फॉरेस्ट कॉलोनी, सदर बाजार निवासी महिला कर्मचारी ने बताया कि वह स्टेट बैंक में कार्यरत हैं। शिकायत के अनुसार, बैंक में आने वाले राजन रिजवी के व्यवहार से वह असहज महसूस कर रही थीं। आरोप है कि रिजवी ने बिना अनुमति उनका निजी मोबाइल नंबर हासिल किया और उस पर अवांछित और आपत्तिजनक संदेश भेजे। महिला कर्मचारी का आरोप है कि एक बार फोन नहीं उठाने पर आरोपी ने उनसे इसका कारण पूछा और उनकी कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) निकलवाने की बात कही। इससे उन्हें भय और दबाव महसूस हुआ। उन्होंने मोबाइल नंबर हासिल करने के स्रोत और उससे संबंधित गतिविधियों की जांच कराने की मांग की है।

शिकायत में परिवार से जुड़ी निजी जानकारियां पूछने और बैंक के बाहर खड़े वाहन तथा उनकी तस्वीरें लिए जाने की जानकारी मिलने का भी उल्लेख किया गया है। महिला कर्मचारी ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आरोपी को सपा अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ का प्रदेश स्तरीय नेता बताया गया है। पुलिस संदेशों, कॉल विवरण और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

बहला–फुसलाकर घर से जेवरात और नकदी ले जाने का आरोप

यूनिक समय, छाता। थाना छाता क्षेत्र के गांव नरी में घर से सोने के जेवरात और नकदी ले जाने का मामला सामने आया है। गांव नरी निवासी महेश चन्द ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 13 सितंबर को सुबह करीब 9:30 बजे उनकी 17 वर्षीय पुत्री घर पर अकेली थी। इसी दौरान लोकेश निवासी छाता घर आया और उनकी पुत्री को बहला–फुसलाकर घर में रखे करीब 10 तोले सोने के जेवरात और सवा लाख रुपये नकद लेकर चला गया। तहरीर में बताया गया कि लोकेश को सामान लेकर जाते हुए कुछ लोगों ने देखा था। पीड़ित ने बताया कि लोकलाज के कारण वह आरोपी की तलाश करता रहा। आरोपी का पता नहीं चलने पर उसने 15 सितंबर को थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

छाता में विवाहिता के लापता होने की रिपोर्ट

यूनिक समय, छाता। कस्बा की कृष्णा कॉलोनी निवासी बिराम, मूल निवासी सीह थाना बरसाना ने अपनी पत्नी के लापता होने की रिपोर्ट थाना में दर्ज कराई है। बिराम के अनुसार वह पिछले करीब पांच–छह माह से कृष्णा कॉलोनी में किराये के मकान में रह रहा है। उसकी पत्नी नीलम 24 वर्ष, 20 अगस्त को बिना बताए बाजार गई थी, लेकिन इसके बाद घर नहीं लौटी। काफी तलाश करने के बावजूद उसका कोई पता नहीं चल सका। पत्नी के मोबाइल नंबर पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन नंबर बंद मिला। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सौ सैय्या अस्पताल में लिफ्ट बंद, फायर सिस्टम के नीचे फैली गंदगी

यूनिक समय, वृंदावन। सौ सैय्या अस्पताल में व्यवस्थाओं को लेकर मरीजों और तीमारदारों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल परिसर में लगी लिफ्ट के बंद रहने से मरीजों को एक मंजिल से दूसरी मंजिल तक जाने के लिए सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ रहा है। खासकर बुजुर्ग, दिव्यांग और गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए यह स्थिति परेशानी का कारण बन रही है।

सौ सैय्या अस्पताल में खराब पड़ी लिफ्ट।

सौ सैय्या अस्पताल के अग्नि शमन स्थान पर पड़ी गंदगी।

अस्पताल में लिफ्ट के बाहर भी साफ–सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं है। यहां गंदगी फैली हुई दिखाई दे रही है, जिससे अस्पताल आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों में नाराजगी है। अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर साफ–सफाई व्यवस्था बेहतर होना जरूरी है, लेकिन लिफ्ट के आसपास गंदगी होने से संक्रमण और दुर्गंध की समस्या का खतरा बना हुआ है। वहीं, अस्पताल में लगे फायर सिस्टम के नीचे भी गंदगी और कूड़ा फैला हुआ है। आग जैसी आपात स्थिति में फायर सिस्टम का साफ और आसानी से पहुंच योग्य रहना बेहद जरूरी है। ऐसे में उसके आसपास गंदगी जमा होना अस्पताल की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। लोगों का कहना है कि अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ स्वच्छता और सुरक्षा व्यवस्था पर भी बराबर ध्यान दिया जाना चाहिए।

बल्देव छठ पर दाऊजी में उमड़ेगा आस्था का सैलाब

दाऊजी मंदिर में अभिषेक पूजन, शोभायात्रा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रहेगी धूम

यूनिक समय, बल्देव। गुरुवार को बल्देव छठ पर दाऊजी महाराज की नगरी में धार्मिक आयोजनों की धूम रहेगी। भगवान बलराम के जन्मोत्सव के रूप में मनाए जाने वाले इस पर्व पर दाऊ जी मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना और अभिषेक किया जाएगा। मंदिर में दर्शन के लिए मथुरा सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मंदिर सेवायतों के अनुसार, पर्व पर दाऊ जी महाराज का विशेष श्रृंगार किया जाएगा। सुबह से मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन–अर्चन का क्रम चलेगा। श्रद्धालु भगवान बलराम और रेवती माता के दर्शन कर सुख–समृद्धि की कामना करेंगे। मंदिर परिसर में भजन–कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

कस्बे में पर्व को लेकर विशेष सजावट की जाएगी। प्रमुख मार्गों और मंदिर क्षेत्र में रोशनी की व्यवस्था रहेगी। विभिन्न स्थानों पर भंडारे और प्रसाद वितरण के आयोजन होंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पेयजल, सफाई और अन्य व्यवस्थाएं भी की जाएंगी। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी बलराम जन्मोत्सव को लेकर धार्मिक कार्यक्रम होंगे। मंदिरों में विशेष पूजा, हवन, भजन–कीर्तन और प्रसाद वितरण किया जाएगा। कई स्थानों पर शोभायात्राएं निकाली जाएंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में भगवान बलराम की पूजा के साथ पारंपरिक आयोजनों की भी तैयारी है। प्रशासन और पुलिस भी श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर नजर रखेगा।

फोटो–वीडियो वायरल करने की धमकी देने का आरोप, मुकदमा दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। हाईवे थाना क्षेत्र में एक युवती ने युवक पर फोटो और वीडियो के जरिए परेशान करने और धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार शिकायतकर्ता युवती बिहार की रहने वाली है, जो अब गाजियाबाद में रहती है। युवती ने बताया गया कि उसकी उक्त युवक से बातचीत शुरू हुई थी। आरोप है कि युवक कुलदीप जाटव निवासी बाजना थाना हाईवे उससे मिलने आया था। इस दौरान उसने धोखे से फोटो और वीडियो ले लिए। युवती का आरोप है कि बाद में शादी के लिए कहने पर युवक ने मना कर दिया। साथ ही गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी और फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से युवक घायल

यूनिक समय, छाता। थाना क्षेत्र में दिल्ली–आगरा हाईवे पर अकबरपुर पुल से उतरते समय तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा 25 अगस्त की रात करीब 10:30 बजे हुआ। ग्राम सेमरी निवासी श्याम सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र रंजीत सिंह बाइक से चौमुंहा किसी कार्य से जा रहा था। अकबरपुर पुल से उतरने के दौरान पीछे से आ रही मोटरसाइकिल के अज्ञात चालक ने टक्कर मार दी। घायल को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए किसी अन्य अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इसके बाद उसे जयपुर ले जाया जा रहा था, लेकिन तबीयत बिगड़ने पर भरतपुर के एसजीएन अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बहला–फुसलाकर युवती को ले जाने का आरोप

यूनिक समय, फरह। थाना क्षेत्र के राधिका विहार कॉलोनी में रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस को तहरीर देकर अपनी पुत्रवधू के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट के अनुसार, घटना 14 सितंबर की सुबह करीब पांच बजे की है। पीड़ित ने बताया कि उनकी पुत्रवधू उर्मिला को पड़ोसी भुवनेश निवासी थिरावली बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। घटना की जानकारी होने पर उन्होंने उर्मिला की काफी तलाश की और उसके पिता को भी सूचना दी। तहरीर में आरोप लगाया गया है कि उर्मिला को ले जाने में सीमा देवी और आकाश ने भी साथ दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मथुरा में ऑटो लिफ्टर गिरोह सक्रिय हर दिन दो से ज्यादा बाइक चोरी

कैमरों में कैद वारदात,फिर भी गिरफ्तारी चुनौती

बाइक चोरी की कई घटनाएं शहर और बाजारों में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद होती हैं। फुटेज में चोरों का बाइक तक पहुंचना, लॉक तोड़ना और वाहन लेकर भागना साफ दिखाई देता है। इसके बावजूद उनकी पहचान और गिरफ्तारी चुनौती बनी रहती है। वाहन मालिकों का कहना है कि संवेदनशील स्थानों पर नियमित पुलिस गश्त, पार्किंग स्थलों की निगरानी, सीसीटीवी फुटेज की त्वरित जांच और चोरी के वाहनों की दूसरे जिलों में निगरानी बढ़ाई जाए तो इस नेटवर्क पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है।

यूनिक समय, मथुरा। शहर और आसपास के थाना क्षेत्रों में बाइक चोरी की घटनाएं दुपहिया वाहन मालिकों के लिए बड़ी चिंता बनती जा रही हैं। शहर, वृंदावन, हाईवे और जमुनापार क्षेत्र में ऑटो लिफ्टर गिरोह सक्रिय हैं। हालात यह हैं कि अलग–अलग इलाकों से प्रतिदिन दो से अधिक बाइक चोरी होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। पुलिस कार्रवाई और गिरफ्तारियों के बावजूद चोरी की घटनाओं पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पा रही है।

शहर से वृंदावन तक बाइक चोरों का नेटवर्क सक्रिय, घरों के बाहर से बैंक और बाजारों की पार्किंग तक निशाना

सीसीटीवी में कैद वारदातों के बावजूद चोरों तक पहुंचना चुनौती, गिरफ्तारियां होती हैं लेकिन बड़ी बरामदगी नहीं

ऑटो लिफ्टरों का निशाना केवल घरों के बाहर खड़ी बाइक ही नहीं हैं। बैंक, बाजार, अस्पताल, प्रतिष्ठान और भीड़भाड़ वाले सार्वजनिक स्थानों की पार्किंग भी इनके लिए आसान ठिकाना बन गई हैं। गिरोह के सदस्य पहले इलाके की रेकी करते हैं। किस बाइक को आसानी से चोरी किया जा सकता है और उसका मालिक कितनी देर में लौटेगा, इसकी जानकारी जुटाने के बाद वारदात को अंजाम दिया जाता है। रात में गलियों और घरों के बाहर खड़ी बाइक चुराना इनके लिए ज्यादा आसान रहता है।

वारदात के दौरान चोर दोपहिया वाहन पर अकेले या दो लोगों के साथ पहुंचते हैं। कुछ ही मिनटों में लॉक तोड़कर बाइक लेकर निकल जाते हैं। रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए कई बार गलियों और वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल किया जाता है। यही वजह है कि घटना के बाद वाहन मालिक के पास पुलिस को बताने के लिए केवल कुछ फुटेज और अनुमानित रास्ते ही बचते हैं।

बाइक चोरी होने के बाद कई वाहन मालिक थाने में शिकायत दर्ज कराने से बचते हैं। खासकर जिन वाहनों का बीमा नहीं होता, उनके मालिक पुलिस कार्रवाई की लंबी प्रक्रिया से बचने के लिए रिपोर्ट नहीं कराते। इससे चोरी की घटनाओं का वास्तविक आंकड़ा सामने नहीं आ पाता। दूसरी ओर, वाहन मालिकों में यह धारणा भी बनी हुई है कि शिकायत के बाद बाइक वापस मिलने की संभावना कम रहती है।

पुलिस समय–समय पर बाइक चोरी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार करती है। चोरी की बाइक बरामद कर गिरोह का खुलासा भी किया जाता है। इसके बावजूद सभी चोरी के वाहनों तक पुलिस नहीं पहुंच पाती। चोर कई बार बाइक को सस्ते दाम में दूसरे लोगों को बेच देते हैं या उसके पुर्जे अलग कर खपा देते हैं। वाहन के दूसरे जिले अथवा प्रदेश में पहुंच जाने के बाद उसकी बरामदगी और मुश्किल हो जाती है। स्थानीय स्तर पर यह भी सामने आता रहा है कि चोरी की बाइक राजस्थान और हरियाणा से जुड़े सीमावर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में खपाई जाती हैं। सौंख क्षेत्र और राजस्थान सीमा से लगे गांवों तक चोरी के वाहन पहुंचाए जाने की आशंका रहती है। वहां इन्हें कम कीमत पर बेच दिया जाता है, जिससे चोरों के लिए वाहन खपाना आसान हो जाता है।

ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार की मौत

यूनिक समय, सुरीर। हसनपुर–मीरपुर रोड पर ईंटों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। हादसे के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने को लेकर पुलिस का परिजनों और ग्रामीणों ने जमकर विरोध किया। ग्रामीणों ने चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

जानकारी के अनुसार गांव भूरेका निवासी रतन सिंह(50) सोमवार शाम नौहझील बाजार से खरीदारी कर बाइक से अपने गांव लौट रहे थे। जैसे ही वह गांव हसनपुर के समीप पहुंचे, तभी सामने से आ रही ईंटों से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली ने बाइक को जोरदार टक्क र मार दी। हादसे में रतन सिंह गंभीर घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। राहगीरों ने उन्हें मीरपुर स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रतन सिंह की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार, उनके दो बेटे अभी अविवाहित हैं। हादसे

ग्रामीणों ने शव ले जाने को लेकर काटा हंगामा

की सूचना पर थाना प्रभारी अंजीश कुमार, इंस्पेक्टर क्राइम मनोज शर्मा और चौकी प्रभारी हसनपुर अशोक कुमार पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने ट्रैक्टर–ट्रॉली और चालक को कब्जे में ले लिया। इसके बाद जब पुलिस शव को पोस्टमार्टम के लिए ले जाने लगी तो परिजनों और ग्रामीण आक्रोशित हो गए। उन्होंने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए शव ले जाने का विरोध किया। स्थिति यह हो गई कि शव ले जा रही गाड़ी के सामने ग्रामीण खड़े हो गए। सीओ मांट अमरनाथ यादव ने बताया कि ग्रामीणों को समाझाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। ट्रैक्टर–ट्रॉली और चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चार किलो गांजे के साथ शातिर गांजा तस्कर गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में गांजा तस्कर।

अभियुक्त पर दर्ज हैं 15 से अधिक अपराधिक मुकदमे

यूनिक समय, सुरीर। स्थानीय पुलिस और आबकारी टीम ने संयुक्त रुप से कार्रवाई करते हुए ऑपरेशन प्रहार केतहत गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त के कब्जे से 4 किलो 38 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। गई है।

पुलिस के अनुसार, सोमवार को टैंटीगांव–सुरीर रोड पर टैंटीगांव बाईपास से करीब 50 मीटर आगे पुलिस और आबकारी टीम द्वारा संयुक्त चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान दोपहर को नरेश पुत्र उदल निवासी ढोकलाबास थाना सुरीर को चेकिंग के लिए रोक लिया। उसकी तलाशी की गई तो उसके कब्जे से चार किलो 38 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार, अभियुक्त नरेश का लंबा आपराधिक इतिहास है। मथुरा और अलीगढ़ जनपद के विभिन्न थानों में लूट, चोरी, गैंगस्टर एक्ट, शस्त्र अधिनियम समेत करीब 15 मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में आबकारी निरीक्षक भीम कुमार तिवारी, थाना सुरीर प्रभारी अरुण कुमार डागर, उपनिरीक्षक वीरेश कुमार के अलावा पुलिस और आबकारी के कर्मचारी शामिल हैं।

टाटा पंच की टक्कर से बाइक सवार की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदर बाजार क्षेत्र स्थित गोकुल बैराज रोड पर सोमवार रात टाटा पंच कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार की मौत हो गई। पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया।

सैनी धर्मशाला गोकुल बैराज रोड औरंगाबाद निवासी जगदीश(42) पुत्र कैलाशचंद बाइक से बीती रात करीब आठ बजे गोकुल बैराज रोड पर जा रहा था। रास्ते में सैनी धर्मशाला के समीप बाइक को तेज गति से आती टाटा पंच कार ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में बाइक सवार गंभीर घायल हो गया। दुर्घटना के बाद चालक मौके से भाग गया। दुर्घटना में घायल जगदीश की मौत हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों को रोड से खिंचवाकर थाने पर खड़ा करा दिया। पुलिस ने शव का पंचानामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गृहक्लेश में युवक ने लगाई फांसी

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे की बैकुंठ धाम कॉलोनी में गृहक्लेश के चलते एक युवक ने फांसी लगा कर आत्महत्या करली। बैकुंठधाम कॉलोनी में रहने वाले युवक प्रिंस(29) पुत्र राकेश शर्मा ने घर में हुई किसी बात को लेकर परिवार के साथ हुई कलह के कारण रात में फांसी लगा ली। शव को फांसी के फंदे पर झूलता देख परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया। युवक द्वारा आत्महत्या किए जाने का पता लगने पर आस–पडौस के लोग भी वहां एकत्रित हो गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से उतरवाने के पश्चात पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

करंट लगने से आगरा के युवक की मौत

यूनिक समय, मथुरा। आगरा से काम करने के लिए गोवर्धन आए एक युवक की धर्मशाला में बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा गया। मोहन गढ़, जीवनी मंडी आगरा निवासी राहुल(26) पुत्र राकेश कुमार हलवाई के पास मिठाई आदि बनाने में लेवर का काम करता था। बताया गया कि गोवर्धन में हलवाई को मिले ठेके के बाद लेवर के रूप में काम करने के लिए आगरा से कुछ युवक गोवर्धन आए थे। दो दिन पूर्व राहुल भी लेवर के साथ यहां काम करने के लिए आया था। हलवाई ने गोवर्धन बस स्टैंड के समीप श्यामाश्याम धर्मशाला में सभी लोगों को ठहरा रखा था। बताया गया कि राहुल पंखे को चलाने के लिए प्लग लगा रहा था। इसी दौरान उसे बिजली का तेज करंट लगा और उसकी मौत हो गई। राहुल की मौत का पता लगने पर वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस को भी इस बारे में जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राहुल की मौत के बारे में उसके परिवार के लोगों को भी जानकारी दी गई। उसकी मौत की खबर लगने पर परिवार में कोहराम मच गया। राहुल के परिवार के लोग भी शव को लेने के लिए पोस्टमार्टम ग्रह पर पहुंच गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

मथुरा में उमस का जोर टूटा दोपहर में बरसी राहत की बूंदें

यूनिक समय, मथुरा। कई दिनों से बढ़ रहे दिन और रात के तापमान के कारण मथुरा में उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी थी। सितंबर की शुरुआत में हुई बारिश से मिली राहत तो पूरी तरह गायब हो चुकी थी। सुबह से देर रात तक उमस के कारण लोग पसीने से तरबतर रहे। बारिश के पूर्वानुमान भी लगातार बेअसर साबित हो रहे थे।

मंगलवार को सुबह से ही मौसम गर्म रहा। आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रही, लेकिन बारिश के आसार नजर नहीं आए। दोपहर तक धूप और उमस से लोगों को बेहाल कर दिया। इसी बीच अचानक आसमान में बादल घिर आए और बूंदाबांदी शुरू हो गई। कुछ देर हुई बूंदाबांदी से मौसम का मिजाज बदल गया। बादलों के बीच चली ठंडी बयार ने लोगों को उमस और गर्मी से कुछ राहत दी।

कई दिनों से बादल छाने के बावजूद बारिश नहीं होने से लोग मायूस थे। मंगलवार को बूंदाबांदी के बाद

कई दिन से बढ़ती गर्मी के बीच बदला मौसम का मिजाज

मौसम सुहाना हुआ तो लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, बूंदाबांदी के बाद भी तापमान में बड़ी गिरावट नहीं आई और वातावरण में नमी बनी रही। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार ने बताया कि बुधवार को भी मथुरा में वर्षा या बूंदाबांदी के आसार हैं। इस दौरान अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। बारिश होने से लोगों को गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है।

संभव जनसुनवाई में पहुंचीं 15 शिकायतें, दो का मौके पर निस्तारण

मंगलवार को जनसुनवाई करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

यूनिक समय, मथुरा। जन शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए नगर निगम में मंगलवार को संभव संतुष्टि-समृद्धि कार्यक्रम के तहत जनसुनवाई हुई। भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने लोगों की समस्याएं सुनीं। वृंदावन जोन में सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा और सिटी जोन के जनरल गंज कार्यालय में अवर अभियंता अजय कुमार ने जनसुनवाई की।

भूतेश्वर जोन में कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें चार शिकायतें अतिक्रमण और सात स्ट्रीट लाइट से संबंधित थीं। लाइट से जुड़ी दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। वहीं वृंदावन जोन में चार शिकायतें मिलीं। इनमें दो सफाई और दो सीवर सफाई से संबंधित रहीं।

जनसुनवाई के दौरान नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। शिकायतकर्ताओं की समस्याओं का संज्ञान लेकर संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि प्राप्त शिकायतों का निस्तारण निर्धारित समय सीमा के भीतर

भूतेश्वर जोन में अतिक्रमण और लाइट वृंदावन में सफाई–सीवर की शिकायतें

सुनिश्चित किया जाए और शिकायतकर्ताओं को राहत दी जाए। इस दौरान अपर नगर आयुक्त सुनीता, सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल, मुख्य कर निर्धारण अधिकारी नरेंद्र यादव, सहायक अभियंता निर्माण सोमेश सिंह, सहायक अभियंता हेमेन्द्र गौतम समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अनंत चतुर्दशी पर सजेगा अलौकिक छप्पन भोग

ढोल नगाड़े बजाकर अलौकिक छप्पन भोग का न्यौता देते समिति के संस्थापक मुरारी अग्रवाल, साथ है अन्य पदाधिकारी।

सात नदियों के जल से होगा महाभिषेक, हीरे-मोती और सप्त रत्नों से होगा गिरिराज महाराज का श्रृंगार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन की गिरिराज तलहटी में अनंत चतुर्दशी पर 25 सितंबर को होने वाले परंपरागत अलौकिक छप्पन भोग की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कृष्णा सभागार में ढोल–नगाड़े बजाकर आयोजन का विधिवत उद्घोष किया गया। समिति संस्थापक मुरारी अग्रवाल ने शास्त्रोक्त विधि से नगाड़ा बजाकर ब्रजवासियों और देश–विदेश के श्रद्धालुओं को आयोजन का न्योता दिया।

मुख्य संयोजक राघवेन्द्र गर्ग ने बताया कि सात दिवसीय आयोजन की शुरुआत 19 सितंबर को अन्नपूर्णा रथ और भट्टी पूजन से होगी। 23 सितंबर को रथयात्रा के साथ दुग्धधारा परिक्रमा निकलेगी। 24 सितंबर को गंगा, यमुना, सरस्वती, सिंधु, नर्मदा, गोदावरी और कावेरी के जल और जड़ी–बूटियों से पंचामृत महाभिषेक किया जाएगा। गिरिराज महाराज को शुद्ध देशी घी से निर्मित प्रसाद अर्पित होगा। आयोजन स्थल को कोलकाता और ओडिशा के कारीगर राजमहल का स्वरूप दे रहे हैं। थाईलैंड, मलेशिया, श्रीलंका और केरल के फूलों से तलहटी सजाई जाएगी।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष दीनानाथ रामभवन, महामंत्री अशोक कुमार आढ़ती, राजेंद्र कुमार सर्राफ, भगवान दास खंडेलवाल, सोमेश इंजीनियर, राकेश गर्ग आढ़ती, हरीश जैन सर्राफ, महेश मानसरोवर, बांके सोनी, दिनेश सादाबाद, सुनील बंसल, कन्नू सर्राफ, देवेश सर्राफ, हरीश अग्रवाल गिलट वाले, विनय अग्रवाल अंगूठी, राजेश राजू सर्राफ, अमरनाथ अग्रवाल, कपिल अग्रवाल, पंकज जौहरी, महावीर निवाड़, मनीष सर्राफ, नितिन मार्बिल, दिनेश मंगल, तुषार हाथी वाले, अरविंद विसावर, अनमोल बंसल विसावर, अमित मार्बिल, दिनेश मार्बिल, अंकित बंसल, राजीव अग्रवाल, सुनील अग्रवाल द्वारकेश, अमित शर्मा आदि मौजूद थे।

व्हाट्सएप पर फाइल भेजकर 58,900 रुपये की साइबर ठगी

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने शैलेश कुमार निवासी 610 कावेरी टावर, अशोका सिटी, गोवर्धन चौराहा की तहरीर पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, 11 सितंबर की शाम करीब 4:45 बजे शैलेश कुमार के मोबाइल पर एक व्यक्ति ने फोन किया। आरोपी ने आईजीएल के पेमेंट के संबंध में बातचीत करते हुए व्हाट्सएप पर बिल भुगतान के लिए एक फाइल भेजी। शिकायतकर्ता ने फाइल खोलकर भुगतान की प्रक्रिया शुरू की, जिसके बाद उनका मोबाइल हैक हो गया। इसके बाद आरोपी ने उनके एक क्रेडिट कार्ड से 49 हजार रुपये बैंक में ट्रांसफर कर लिए। वहीं दूसरे क्रेडिट कार्ड से 9,900 रुपये की ऑनलाइन खरीदारी की गई। शैलेश कुमार ने तत्काल बैंक से संपर्क कर दोनों क्रेडिट कार्ड और बैंक संबंधी जानकारी ब्लॉक कराई, करीब 15 मिनट के भीतर साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घर के बाहर खड़ा ई–रिक्शा चोरी

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के ग्राम खामनी निवासी अशोक कुमार ने ई–रिक्शा चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अशोक कुमार ने बताया कि उसने अपने ई-रिक्शा को 15 जुलाई की रात करीब 10 बजे घर के बाहर चार्जिंग के लिए खड़ा किया था। रात करीब चार बजे जब उसने बाहर आकर देखा तो ई–रिक्शा वहां से गायब था। पुलिस ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऋषि पंचमी पर मथुरा में गूंजा सप्त ऋषियों का जयकारा

महिलाओं ने रखा व्रत घर-घर हुआ पूजन संकल्प पूरा होने पर कराया उद्यापन

मंगलवार को सप्त ऋषि मंदिर में महिलाओं को कथा सुनाते पं. अमित शर्मा।

ऋषि पंचमी पर सप्त ऋषि मंदिर में पूजा- अर्चना करतीं महिलाएं।

यूनिक समय, मथुरा। ऋषि पंचमी का पर्व मंगलवार को मथुरा शहर के साथ–साथ कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धा-आस्था के साथ मनाया गया। सुबह से ही घरों और मंदिरों में धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो गए। महिलाओं ने व्रत रखकर सप्त ऋषियों का विधि–विधान से पूजन किया और ऋषि पंचमी की कथा सुनी। इस दौरान परिवार की सुख–समृद्धि और मंगल की कामना की गई।

शहर के विभिन्न मोहल्लों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी महिलाओं ने सुबह स्नान के बाद पूजा की तैयारियां शुरू कर दीं।

पूजा स्थल पर कलश स्थापित कर सप्त ऋषियों का स्मरण किया गया। फल, फूल, प्रसाद और अन्य पूजन सामग्री अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई। कई स्थानों पर महिलाओं ने एकत्र होकर सामूहिक रूप से कथा का श्रवण किया।

व्रत रखने वाली महिलाओं ने दिनभर धार्मिक नियमों का पालन किया।

कथा के दौरान ऋषि पंचमी के धार्मिक महत्व और व्रत की मान्यता के बारे में बताया गया। महिलाओं ने सप्त ऋषियों से परिवार में सुख–शांति और संतान के उज्ज्वल भविष्य की प्रार्थना की। जिन महिलाओं का ऋषि पंचमी का संकल्प पूरा हुआ, उन्होंने विधि–विधान से उद्यापन कराया। इस अवसर पर ब्राह्मणों को भोजन कराया गया और दान–दक्षिणा दी गई। मंदिरों में भी दिनभर श्रद्धालुओं की आवाजाही रही। पूजा-अर्चना और कथा के आयोजन से शहर और कस्बों में धार्मिक वातावरण बना रहा। घरों में महिलाओं ने परिवार के सदस्यों के साथ प्रसाद वितरित किया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

स्कूलों में सजेगा सदन, छात्र निभाएंगे मंत्री-सांसद की भूमिका

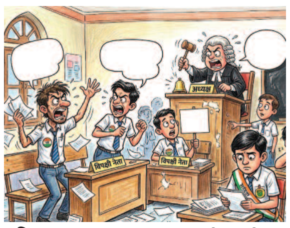

जिले के माध्यमिक विद्यालयों में होगी युवा संसद प्रतियोगिता

कक्षा छह से 12वीं तक के विद्यार्थी होंगे शामिल

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में अब विद्यार्थी केवल किताबों में संसद की कार्यप्रणाली नहीं पढ़ेंगे, बल्कि स्वयं मंत्री, सांसद, विपक्षी सदस्य और अध्यक्ष की भूमिका निभाकर संसदीय प्रक्रिया को समझेंगे। संसदीय कार्य मंत्रालय के निर्देश पर जिले के सभी माध्यमिक विद्यालयों में युवा संसद प्रतियोगिता आयोजित कराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था की समझ विकसित करने के साथ नेतृत्व और अभिव्यक्ति क्षमता को बढ़ाना है।

जिले में 36 राजकीय, 93 अशासकीय सहायता प्राप्त और 421 वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालय हैं। सभी 550 विद्यालयों में युवा संसद आयोजित कराई जानी है। जिला स्तर पर जिला विद्यालय निरीक्षक को नोडल अधिकारी बनाया गया है। विद्यालयों में प्रतियोगिता के आयोजन की कार्ययोजना तैयार कर गतिविधियों को आगे बढ़ाया जाएगा।

पोर्टल पर पंजीकरण के बाद होगा विद्यार्थियों का चयन

राष्ट्रीय युवा संसद योजना के निर्धारित पोर्टल पर विद्यालयों को किशोर सभा के अंतर्गत पंजीकरण कराना होगा। प्रधानाचार्य की स्वीकृति के बाद कक्षा छह से 12वीं तक के विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा। प्रत्येक युवा संसद में करीब 50 से 55 विद्यार्थी भाग लेंगे। विद्यार्थियों को उनकी भूमिका के अनुसार प्रश्न पूछने, जवाब देने, चर्चा करने और प्रस्ताव रखने का अभ्यास कराया जाएगा। युवा संसद में मंत्री परिषद का गठन किया जाएगा। सदन के अध्यक्ष की भूमिका भी विद्यार्थी निभाएंगे। सत्ता पक्ष जहां विपक्ष के सवालों का जवाब देगा, वहीं विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक और लोकतांत्रिक विषयों पर चर्चा होगी। विद्यार्थियों को सदन की कार्यवाही संचालित करने का भी अवसर मिलेगा।
जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने बताया कि सभी राजकीय, सहायता प्राप्त और वित्तविहीन विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को प्रतियोगिता आयोजित कराने के निर्देश दिए जाएंगे। शासनादेश के अनुसार विद्यालय स्तर पर कार्यक्रम कराया जाएगा और प्रधानाचार्य को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी जाएगी।

रक्तदान शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

रक्तदान करते जेसीआई मथुरा ग्रेटर के पदाधिकारी।

जेसीआई मथुरा ग्रेटर के वीक के तहत छठा कार्यक्रम हुआ आयोजित

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई मथुरा ग्रेटर के वीक के अंतर्गत छठे कार्यक्रम के रूप में ब्रजवासी ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज अग्रवाल सराफ ने की, जबकि संचालन यश गुप्ता ने किया। शिविर में लोगों ने उत्साह के साथ रक्तदान किया।
आयोजकों ने कहा कि रक्तदान का छोटा-सा प्रयास किसी जरूरतमंद के लिए पूरी दुनिया बन सकता है।

कार्यक्रम में रवि अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल, नितिन अग्रवाल, अनुराग अग्रवाल, अंशुल अग्रवाल, वाणी अग्रवाल, मयंक-शालिनी अग्रवाल, वरुण-नेहा गर्ग, ज्योति अग्रवाल, कपिल-पारुल, संदीप अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, संजय अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, मोहिनी, गोरुल-यति गर्ग आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थी करेंगे अपना और सहपाठी का आंकलन

माध्यमिक विद्यालयों में मूल्यांकन व्यवस्था बदलने की तैयारी सीखने की क्षमता पर रहेगा जोर

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक विद्यालयों में विद्यार्थियों की परीक्षा और मूल्यांकन व्यवस्था में बदलाव की तैयारी की जा रही है। नई व्यवस्था में विद्यार्थियों का आकलन केवल शिक्षक की ओर से ली जाने वाली परीक्षा और दिए गए अंकों तक सीमित नहीं रहेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई और विषय की समझ को स्वयं परखने के साथ सहपाठी की तैयारी और समझ का भी आकलन करेंगे। इसके लिए स्व-मूल्यांकन और सहपाठी मूल्यांकन को पढ़ाई की प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जाएगा।

नई व्यवस्था के तहत शिक्षक निर्धारित पाठ और विषय के आधार पर विद्यार्थियों को प्रश्न, गतिविधियां और अभ्यास कार्य देंगे। विद्यार्थी पहले स्वयं जांचेंगे कि उन्हें पाठ की कितनी जानकारी है और किन बिंदुओं को समझने में परेशानी हो रही है। इसके बाद वे अपने सहपाठी के उत्तरों और कार्य का भी मूल्यांकन करेंगे। इस प्रक्रिया में शिक्षक निगरानी और मार्गदर्शन की भूमिका निभाएंगे।

शिक्षा विभाग का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में अधिक अंक प्राप्त करने के लिए तैयार करने के बजाय उनकी सीखने और समझने की क्षमता को विकसित करना है। स्व-मूल्यांकन के माध्यम से विद्यार्थी अपनी कमजोरियों को पहचान सकेंगे और उन पर सुधार के लिए काम कर पाएंगे। वहीं, सहपाठी के कार्य का आकलन करने से उन्हें विषय को दूसरे नजरिए से समझने का अवसर मिलेगा।

शिक्षकों की भूमिका इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रहेगी। वे विद्यार्थियों को मूल्यांकन के सही तरीके बताएंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि आकलन निष्पक्ष-सीखने पर केंद्रित हो। नई व्यवस्था से विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और विषय की बेहतर समझ विकसित होने की उम्मीद है। डीआइओएस राघवेंद्र सिंह का कहना था कि इस व्यवस्था का बेहतर तरीके से पालन कराया जाएगा।

'पैसेज टू इंडिया' में दिखी भारत की सांस्कृतिक विविधता

सांस्कृतिक कार्यक्रम में मौजूद जेसीआई मथुरा पंखुड़ी की पदाधिकारी।

जेसीआई मथुरा पंखुड़ी के 'ग्रेट डे' में सदस्याओं ने बिखेरे देशभर के रंग

यूनिक समय, मथुरा। जेसीआई वीक के सातवें दिन जेसीआई मथुरा पंखुड़ी की ओर से एक होटल में 'ग्रेट डे' का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम की थीम 'पैसेज टू इंडिया' रही। इसके माध्यम से देश की विविध संस्कृति, परंपराओं और राज्यों की खूबसूरती को प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में सदस्याएं कश्मीर, गुजरात, राजस्थान, पंजाब, बंगाल और दक्षिण भारत समेत विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचीं। अलग-अलग राज्यों की संस्कृति और परिधान आयोजन में आकर्षण का केंद्र रहे। सदस्याओं की प्रस्तुतियों ने भारत की अनेकता में एकता की भावना को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम में मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएं भी हुईं। सदस्यों ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। दीप्ति, दर्शना और निमिषा सहित अन्य सदस्यों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विजेता का गौरव हासिल किया। राखी और कनिका ने कार्यक्रम का संचालन किया।

इस अवसर पर संस्था के कोर और बीओडी सदस्यों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सक्रिय सदस्य राखी मित्तल को उल्लेखनीय सेवाओं के लिए कमल पत्र अवॉर्ड प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि भावना, दिव्य श्री जी स्नैक्स का भी सम्मान किया गया। कायक्रम में अध्यक्ष देवांगी, सचिव परिधि, कोषाध्यक्ष दीपिका सहित कंचन, रीतिका, पीती, पूजा, सुरभि, अर्चना, अनीता, प्रिया, रितु, मीनल, सोनल आदि मौजूद रहीं।

जैंत क्षेत्र में मारपीट, पांच के खिलाफ रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। जैंत थाना क्षेत्र के ग्राम सकराया में मारपीट का मामला सामने आया है। ग्राम सकराया निवासी नकील शर्मा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने घर से बाबूगढ़ डॉक्टर के पास जा रहा था। रास्ते में गांव समाज की जमीन की नापतौल हो रही थी। इसी दौरान पुलिस ने उसे पूछताछ के लिए रोक लिया। पुलिस के जाने के बाद सोहन सिंह, राजेश, वंटी और गुड्डू और तीन अज्ञात व्यक्तियों पर मिलकर मारपीट करने, गाली-गलौज करने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद पीड़ित ने थाना जैत पहुंचकर पुलिस को सूचना दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गाजे-बाजे के बीच केडी डेंटल कॉलेज में विराजे विघ्नहर्ता

यूनिक समय, मथुरा। केडी डेंटल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में गणेश चतुर्थी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। कॉलेज परिसर में ढोल-नगाड़ों और गणपति बप्पा के जयघोष के बीच भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा प्रतिष्ठापित की गई। छात्र-छात्राओं और फैकल्टी सदस्यों ने पारंपरिक परिधानों में भगवान का स्वागत किया।

प्रतिमा स्थापना के बाद वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा-अर्चना और महाआरती हुई। विद्यार्थियों ने गणपति भजनों पर नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर माहौल भक्तिमय बना दिया। आरती के बाद डॉक्टरों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को मोदक और प्रसाद वितरित किया गया।

श्रीगणेशजी की आराधना करते हुए कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, प्राचार्य डॉ. नवप्रीत कौर, प्रशासनिक अधिकारी नीरज छापड़िया।

'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष से गूंजा कॉलेज परिसर हुई महाआरती

केडी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीगणेश का स्वरूप बुद्धिमानी, दूरदर्शिता, सकारात्मक सोच और अनुशासन का संदेश देता है। प्रति-कुलाधिपति मनोज अग्रवाल ने गणेशजी को प्रथम पूज्य, विघ्नहर्ता और बुद्धि-विद्या का देवता बताते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने विद्यार्थियों को गणेश चतुर्थी के धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व की जानकारी दी।

प्राचार्या डॉ. नवप्रीत कौर ने भगवान गणेश के स्वरूप में निहित बुद्धि और विवेक के संदेश को समझाया। आयोजन में प्रशासनिक अधिकारी नीरज छापड़िया, देवेश चाहर, सचिन राजपूत, उत्सव पांडेय, अंकुश, निश्चल, कोविद आदि का सहयोग रहा।

सर्राफा कांडः सोना चोरी ने बढ़ाई व्यापारियों की चिंता

आईटी–जीएसटी पूछेगा हिसाब

सोने का बिल दिखाओ नहीं तो आईटी–जीएसटी कसेगा शिकंजा, करोड़ों की चोरी बनी मुसीबत

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के सर्राफा बाजार में हुई करोड़ों की चोरी अब पीड़ित व्यापारी के लिए ही मुसीबत बन सकती है। पुलिस जांच के साथ–साथ अब इनकम टैक्स और जीएसटी विभाग भी व्यापारी से हिसाब मांग सकता है। विभाग का सीधा सवाल होगा, दुकान में इतना किलो सोना और 15 लाख कैश क्यों रखा था, इसका बिल कहां है।

सूत्रों की मानें तो आईटी-जीएसटी की टीमों को इस बड़ी चोरी की भनक लग चुकी है। विभाग जल्द ही व्यापारी को नोटिस भेजकर पूरे स्टॉक का हिसाब–किताब मांग सकता है। अगर व्यापारी बिल नहीं दिखा पाया तो उस पर भारी जुर्माना और टैक्स की कार्रवाई हो सकती है। विभाग के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इतनी बड़ी मात्रा में सोना दुकान में रखना सामान्य बात नहीं है। इसका पूरा लेखा–जोखा होना चाहिए। अगर स्टॉक बिना बिल का निकला तो व्यापारी की मुश्किलें बढ़ना तय है। इस खबर के बाद से ही कोसीकलां सर्राफा बाजार के अन्य व्यापारियों में भी दहशत फैल गई है। कई व्यापारी जो बिना बिल के सोना रखते थे, उन्होंने आनन–फानन में अपना माल इधर–उधर करना शुरू कर दिया है। कुछ व्यापारियों ने तो अपनी दुकानों में रखा ज्यादा कैश और सोना रातों–रात बैंक लॉकर में शिफ्ट कर दिया है। व्यापारियों में चर्चा है कि अगर करोड़ों की चोरी में आईटी–जीएसटी की एंट्री हो गई तो आने वाले दिनों में पूरे बाजार की जांच हो सकती है। वहीं व्यापारियों का कहना है कि सारा माल पक्के बिल का है।

दुकानों पर कार्य करने वाले नौकर का पुलिस नहीं करती है सत्यापन

करोड़ों की चोरी के बाद पुलिस जांच में सामने आई लापरवाही, अब होगी सभी नौकरों की जांच

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के सर्राफा बाजार में करोड़ों की चोरी की घटना की जांच में पुलिस के सामने एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। जांच में पता चला है कि सर्राफा बाजार में व्यापारियों के यहां नौकरी करने वाले किसी भी नौकर का थाने में पुलिस सत्यापन नहीं है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, बाजार में दो दर्जन से अधिक दुकानों पर 100 से अधिक नौकर काम करते हैं, लेकिन एक भी नौकर का रिकॉर्ड थाने में जमा नहीं है। व्यापारी बिना किसी पहचान पत्र और बिना पुलिस सत्यापन के नौकरों को रख लेते हैं। इसी का फायदा उठाकर शातिर चोर इस तरह की बड़ी घटनाओं को अंजाम दे देते हैं। इस खुलासे के बाद पुलिस ने अब सख्त रुख अपनाया है। पुलिस ने सभी सर्राफा व्यापारियों को तीन दिन के अंदर अपने–अपने नौकरों का आधार कार्ड, फोटो और पूरा ब्योरा थाने में जमा कर सत्यापन कराने के निर्देश दिए हैं। सत्यापन न कराने वाले व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है।

अब नौकर रखने से पहले 10 बार सोचेंगे व्यापारी

यूनिक समय, कोसीकलां। सर्राफा बाजार में सोना और लाखों की नगदी चोरी का खुलासा होने के बाद व्यापारियों का अपने नौकरों से भरोसा उठ गया है। इस सनसनीखेज वारदात को किसी और ने नहीं, बल्कि दुकान के ही पूर्व कर्मचारी पप्पू ने अंजाम दिया था। इस घटना के बाद से सर्राफा बाजार के व्यापारियों में दहशत और आक्रोश दोनों है। व्यापारियों का कहना है कि वे जिसे अपना समझकर दुकान की चाबी और तिजोरी की जिम्मेदारी देते हैं, वही अगर गद्दारी कर जाए तो किस पर भरोसा करें। व्यापारियों ने अब फैसला किया है कि भविष्य में किसी भी नौकर को बिना गारंटी के दुकान पर नहीं रखा जाएगा। कई व्यापारियों ने तो अपने पुराने नौकरों को भी हटाने पर विचार शुरू कर दिया है। सर्राफा एसोसिएशन ने सभी व्यापारियों से अपील की है कि अपने–अपने नौकरों का तत्काल पुलिस सत्यापन कराएं और दुकान में सीसीटीवी और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करें, ताकि भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा न हो।

चोरी का खुलासा करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित करेंगे सर्राफा व्यापारी

यूनिक समय, कोसीकलां। पुलिस ने एक बार फिर साबित कर दिया कि अपराधी चाहे कितना भी शातिर क्यों न हो, वह कानून के हाथ से बच नहीं सकता। नगर के सर्राफा बाजार में हुई करोड़ों की सनसनीखेज चोरी का पुलिस ने मात्र 24 घंटे में सफल वर्कआउट कर दिया है। सर्राफा बाजार में खुशी जाहिर करते हुए पुलिस अधिकारियों और टीमों को सम्मानित करने का फैसला किया है।

एसएसपी श्लोक कुमार की कुशल रणनीति के तहत गठित 12 विशेष टीमों ने दिन–रात एक कर दिया। सीसीटीवी फुटेज के बारीक विश्लेषण, मुखबिर तंत्र और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंच गई।

चोरी का वर्क आउट होते ही व्यापारियों में खुशी

पुलिस ने आरोपी पूर्व कर्मचारी पप्पू को हिरासत में लेकर सात किलो सोना और 11 लाख रुपये की नकदी बरामद की है।

इस शानदार खुलासे के बाद पूरे सर्राफा बाजार में पुलिस की जय–जयकार हो रही है। व्यापारियों का कहना है कि जिस तत्परता से मथुरा पुलिस ने काम किया है, वह काबिले–तारीफ है। सर्राफा एसोसिएशन ने जल्द ही पुलिस टीम को सम्मानित करने की घोषणा की है।

मघेरा वाले हनुमान मंदिर में सजा फूल बंगला, लगा छप्पन भोग

हनुमान मंदिर में सजाए गए छप्पन भोग के साथ मौजूद सेवायत।

यूनिक समय, चौमुहां। छटीकरा–राधाकुंड मार्ग स्थित प्रसिद्ध मघेरा वाले हनुमान जी मंदिर में मंगलवार को धार्मिक आयोजन किया गया। हनुमान जी का विशेष श्रृंगार कर विधि–विधान से पूजा–अर्चना की गई। इसके बाद भगवान को छप्पन प्रकार के व्यंजनों का भोग लगाया गया। मंदिर परिसर में रंग–बिरंगे और सुगंधित फूलों से भव्य फूल बंगला सजाया गया। फूल बंगले के मध्य विराजमान हनुमान जी की मनमोहक झांकी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रही। सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया। भक्तों ने पूजा–अर्चना कर परिवार की सुख–समृद्धि की कामना की और जय श्रीराम व बजरंगबली के जयकारे लगाए। महंत मोनी बाबा ने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में भक्ति, संस्कार और सद्भाव की भावना मजबूत होती है। इस अवसर पर पुष्पेंद्र शर्मा, नानकचंद, ईश्वर प्रसाद, महेश चंद, पवन पुजारी, वीरेंद्र पुजारी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

फूलों से सजी झांकी के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, जयकारों से गूंजा मंदिर परिसर

मानागढ़ी में देव छठ मेला कल से, तीन दिन चलेगा दंगल

यूनिक समय, सुरीर। ग्राम मानागढ़ी में सैकड़ों वर्ष पुराने ऐतिहासिक देव छठ मेले का शुभारंभ बुधवार से होगा। तीन दिवसीय मेले को लेकर ग्रामीणों और आसपास के क्षेत्र में उत्साह है। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है।

मेले के पहले दिन 16 सितंबर को सुबह दौड़ प्रतियोगिता और शाम को रस्साकशी समेत विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताएं होंगी। 17 सितंबर को कुश्ती दंगल और 18 सितंबर को विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया जाएगा। मेले में आसपास के गांवों के साथ दूर–दराज क्षेत्रों से भी पहलवान और दर्शक पहुंचेंगे।

उधर, मेले की व्यवस्थाओं को लेकर ग्रामीणों ने प्रशासन से नाराजगी जताई है। मेला मैदान में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं है और गांव के बिजली खंभों पर प्रस्तावित लाइटें भी नहीं लगाई गई हैं। मंदिर की सजावट, साफ–सफाई, रास्तों और जलभराव की समस्या का भी समाधान नहीं हो सका है। समाजसेवी सुभाष चौधरी और मनवीर सिंह सूर्यवंशी ने प्रशासन से व्यवस्थाएं तत्काल दुरुस्त कराने की मांग की है। ग्रामीण कुंदन सिंह नेता, भजनलाल नेता, देवेंद्र मास्टर, छीतरीया डीलर, रमेश हवलदार, घूरे नेता, मयंक शर्मा, लोहरे मास्टर, सतवीर लंबरदार, उधम सिंह डीलर, अतर सिंह हवलदार, राजकुमार मैनेजर, उदयवीर सिंह आर्य, किशोरी लाल आर्य, राहुल, अजीत, कपिल, गौतम, रामेश्वर आदि ने कहा कि मेले में भीड़ को देखते हुए प्रकाश और रास्तों की व्यवस्था बेहद जरूरी है।

खेलकूद प्रतियोगिताओं के साथ 18 सितंबर को होगा विशाल कुश्ती दंगल

एसडीएम के आदेश के बावजूद निर्माण, लेखपाल पर गंभीर आरोप

यूनिक समय, छाता। तहसील क्षेत्र के ग्राम वाजिदपुर में कृषि भूमि पर कथित कब्जे और निर्माण को लेकर एक मामला सामने आया है। पीड़ित मोहनश्याम ने आरोप लगाया है कि उसकी कृषि भूमि पर गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा कब्जा कर पक्का निर्माण कराया जा रहा है। मामले को लेकर पीड़ित ने अधिकारियों से कार्रवाई की मांग की है।

पीड़ित के अनुसार, भूमि की पैमाइश के लिए समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र दिया गया था, जिसके बाद टीम गठित की गई। आरोप है कि ग्राम वाजिदपुर में तैनात लेखपाल आलोक रंजन टीम के साथ मौके पर जाने के बजाय रास्ते से लौट आए और बाद में लगातार टालमटोल करते रहे।

मोहनश्याम का कहना है कि मंगलवार को जब उसे अपनी जमीन पर पक्का निर्माण होने की जानकारी मिली तो एसडीएम को प्रार्थना पत्र दिया। पीड़ित के अनुसार, एसडीएम छाता ने आदेश जारी कर आदेश की फोटो लेखपाल के व्हाट्सएप पर भी भेजी। आदेश की जानकारी भेजने के बाद लेखपाल ने फोन उठाना बंद कर दिया। वह थाना में लेखपाल के पहुंचने का इंतजार करता रहा, लेकिन लेखपाल मौके पर नहीं पहुंचे। पीड़ित ने अधिकारियों से मामले की जांच कराकर भूमि की पैमाइश कराने, कथित निर्माण रुकवाने और कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

गोवर्धन में युवती की नाक काटी, नोजपिन लूटी

यूनिक समय, गोवर्धन। गिरिराज परिक्रमा क्षेत्र में एक युवती पर हमला किए जाने से दहशत का माहौल है। अज्ञात युवक ने श्रद्धालु युवती को धक्का देकर गिराने के बाद गला दबाया और दांतों से उसकी नाक काटकर सोने की नोजपिन लूट ली। खून से लथपथ युवती की चीख–पुकार सुनकर आसपास के श्रद्धालु पहुंचे और उसे बचाया।

मुंबई निवासी मोनिका करीब छह माह से गोवर्धन में रह रही हैं। सोमवार को बड़ी परिक्रमा मार्ग पर तलहटी के पास करीब 25 वर्षीय युवक ने उन पर हमला किया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगालकर आरोपी की तलाश कर रही है। एसएसपी श्लोक कुमार का कहना है कि भीख मांगने वाले मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ने भीख न देने पर एक महिला पर हमला कर दिया। महिला की नाक पर गंभीर चोट आई, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद आरोपी भाग गया। पुलिस सीसीटीवी के जरिए आरोपी की तलाश कर रही है।

राधाष्टमी पर श्रद्धालुओं की राह में कोसीकलां बस स्टैंड बना रोड़ा

यूनिक समय, कोसीकलां। राधाष्टमी पर बरसाना पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालुओं के लिए कोसीकलां पहला पड़ाव है, लेकिन यहां परिवहन व्यवस्था ही उनकी राह में रोड़ा बनी हुई है। दिल्ली, हरियाणा और आसपास के राज्यों से आने वाले अधिकांश श्रद्धालु रेलवे स्टेशन और हाईवे बाईपास पर उतरकर बरसाना जाते हैं। इसके बावजूद कोसीकलां–बरसाना मार्ग पर फिलहाल रोडवेज बसों का संचालन नहीं हो रहा है।

रोडवेज बसों की कमी का फायदा निजी और डग्गेमार वाहन संचालक उठा रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, बस स्टैंड परिसर में बड़ी संख्या में ईको और अन्य निजी वाहन खड़े रहते हैं। पांच सीटर ईको में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर बरसाना तक ले जाया जाता है। श्रद्धालुओं से मनमाना किराया वसूलने के आरोप भी हैं। ओवरलोडिंग से हादसे का खतरा बना हुआ है।

कोसीकलां बस स्टैंड परिसर में भरा पानी और चारों ओर खड़े डग्गेमार वाहन।

तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों ने डीएम और एसएसपी से राधाष्टमी से पहले कोसीकलां–बरसाना–नंदगांव मार्ग पर रोडवेज बसें चलाने और बस स्टैंड को डग्गेमार वाहनों से मुक्त कराने की मांग की है। बस स्टैंड प्रभारी जगदीश ने बताया कि अभी बरसाना के लिए रोडवेज बस शुरू नहीं हुई है। राधाष्टमी के मद्देनजर अधिकारियों से बस संचालन की मांग की गई है। डग्गेमार वाहनों के खिलाफ पुलिस को कई बार शिकायत की जा चुकी है।

रोडवेज बसें नदारद डग्गेमार वाहनों का बस स्टैंड पर कब्जा

ओवरलोड ईको में सफर को मजबूर श्रद्धालु मनमाना किराया वसूली

कोटवन में 22 को होगा विशाल कबड्डी टूर्नामेंट

यूनिक समय, कोसीकलां। प्राचीन कनुआ बाबा मेले पर गांव कोटवन में विशाल सर्किल कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। जिला पंचायत सदस्य चौधरी जिले सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यह टूर्नामेंट 22 सितंबर, मंगलवार को दोपहर 12 बजे से गांव कोटवन में होगा। शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चौधरी करेंगे। प्रतियोगिता में क्षेत्र और दूर दराज की नामी टीमें अपना दमखम दिखाएंगी। प्रथम विजेता टीम को एक लाख 11 हजार रुपये, द्वितीय विजेता को 71 हजार रुपये और तृतीय विजेता टीम को 51 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी कबड्डी प्रेमियों और टीमों से मेले और टूर्नामेंट भाग लेने की अपील की हैं।

सुविचार

अंधेरा चाहे जितना हो, उम्मीद का दीपक कभी बुझने मत देना।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	07:44-08:59 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	विशाखा	03:20-05:22 तक	माह	भाद्रपद
सूर्योदय		6:05 AM	चन्द्रोदय	10:54 AM
सूर्यास्त		6:23 PM	चंद्रास्त	09:24 PM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त		11:51AM-12:41 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:37-05:25
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:14 PM: 01:46 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

औरंगजेब भी नहीं तोड़ पाया था सिद्ध गणेश की प्रतिमा

हाथी-बैलगाड़ियों से तीन महीने में पहुंची पांच फीट उंची प्रतिमा

हर बुधवार गणेशजी को चढ़ता है सिंदूर का चोला

320 साल से जारी है अनूठी परंपरा

यूनिक समय, छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर में भगवान गणेश का एक प्राचीन मंदिर अपनी अनूठी परंपरा और रोचक इतिहास के लिए श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। महोबा रोड स्थित क्रिश्चियन अस्पताल के सामने बने सिद्ध गणेश मंदिर की प्रतिमा करीब 320 वर्ष पुरानी बताई जाती है। मंदिर के पुजारियों के अनुसार, मुगल शासनकाल में इस प्रतिमा को हरिद्वार से छिपाकर छतरपुर लाया गया था। दावा है कि औरंगजेब के सैनिकों ने इसे तोड़ने का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके।

मंदिर की सेवा कर रहे गोस्वामी परिवार की सातवीं पीढ़ी के पुजारी दीपक गोस्वामी के अनुसार, वर्ष 1705 में हरदेव गोस्वामी (पुरी) और उनकी पत्नी सावित्रीबाई ने गांव के करीब 10-15 लोगों की मदद से प्रतिमा को हरिद्वार से छतरपुर लाने का निर्णय लिया। उस समय मंदिरों और प्रतिमाओं को नुकसान पहुंचाए जाने की आशंका के चलते यात्रा को बेहद गोपनीय रखा गया।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

पुजारी के मुताबिक, पांच फीट उंची गणेश प्रतिमा को हाथी और चार बैलगाड़ियों की मदद से छतरपुर लाया गया। करीब तीन महीने तक चली इस यात्रा में रास्ते लगातार बदले जाते रहे, ताकि मुगल सैनिकों की नजर प्रतिमा पर न पड़े। प्रतिमा को सफेद कपड़ों में लपेटकर सुरक्षित रखा गया और छतरपुर पहुंचने के बाद मंदिर में इसकी स्थापना की गई।

मंदिर की एक खास परंपरा आज भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र है। पुजारी लखन गोस्वामी के अनुसार, हर बुधवार भगवान गणेश को हनुमान जी की तरह सिंदूर का चोला चढ़ाया जाता है और विशेष श्रृंगार किया जाता है। यह परंपरा करीब 320 वर्षों से चली आ रही है।

गोस्वामी परिवार की कई पीढ़ियां लगातार इस प्रतिमा की पूजा-अर्चना करती आ रही हैं। पुजारियों का दावा है कि छतरपुर से सागर जिले तक इस तरह सिंदूर का चोला चढ़ाए जाने वाली गणेश प्रतिमा दूसरी जगह नहीं है।

गणेश का स्वरूप देता है समृद्धि का अनोखा संदेश

गजमुख बताते हैं शक्ति का रहस्य, गोल-मटोल काया है समृद्धि का प्रतीक

जमाखोरी नहीं, बांटने से सार्थक होती है समृद्धि

यूनिक समय, मथुरा। भगवान गणेश का स्वरूप केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं, बल्कि जीवन के गहरे संदेश भी अपने भीतर समेटे है। लेखक देवदत्त पट्टनायक के अनुसार, गणेश जी की गोल-मटोल काया समृद्धि का संकेत देती है, जबकि गज का सिर शक्ति का प्रतीक माना जाता है। उनके हाथ में मौजूद अंकुश यह संदेश देता है कि मनुष्य को अपनी पाशविक इच्छाओं और शक्तियों पर विवेक का नियंत्रण रखना चाहिए।

कुछ पुराणों में गणेश जी के गजमुख को इंद्र के हाथी ऐरावत से जोड़ा गया है। मान्यता के अनुसार, ऐरावत का सिर गणेश के शरीर से जोड़ा गया। इस तरह गणेश के स्वरूप में शिव के वैराग्य और देवी शक्ति के संसार को स्वीकारने वाले गुणों का मेल दिखाई देता है।

गणेश स्वरूप का सबसे बड़ा संदेश शक्ति और संपत्ति को दूसरों के साथ साझा करने से जुड़ा है। पट्टनायक के अनुसार, केवल धन-संपदा जुटाना ही समृद्धि नहीं है, बल्कि उसे जरूरतमंदों और समाज के साथ बांटना ही वास्तविक प्रज्ञा है।

इसके विपरीत इंद्र को संपत्ति की जमाखोरी और भोग से जोड़ा गया है। इसलिए गणेश केवल धन या शक्ति प्राप्त करने के लिए बाधाएं दूर करने वाले देवता नहीं, बल्कि मनुष्य में उदारता और विवेक जगाने वाले देवता के रूप में भी देखे जा सकते हैं।

पुणे के त्रिसूंड गणपति मंदिर में गणेश जी की छह हाथ और तीन सूंड वाली अनूठी प्रतिमा स्थापित है। मंदिर का निर्माण वर्ष 1770 में पूरा हुआ था। वहीं, एलीफेंटा और एलोरा की गुफाओं में शिव के गजान्तक रूप की प्राचीन प्रतिमाएं भी शक्ति और वैराग्य के इसी द्वंद्व को दर्शाती हैं।

सरसों के तेल से बालों की ऐसे करें देखभाल

हल्के गुनगुने तेल से 10-15 मिनट करें सिर की मालिश

मेथी-करी पत्ते मिला सकते हैं, संवेदनशील त्वचा पर सावधानी

यूनिक समय, मथुरा। लंबे, घने और मजबूत बालों के लिए सरसों का तेल सदियों से घरेलू देखभाल का हिस्सा रहा है। इसमें विटामिन-ई और फैटी एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो बालों और सिर की त्वचा को नमी देने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, इसे लगाने से बाल तेजी से बढ़ेंगे या कमर तक लंबी चोटी निश्चित रूप से हो जाएगी, इसका वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

सरसों का तेल इस्तेमाल करने के लिए इसे हल्का गुनगुना करें। उंगलियों के पोरों से सिर की त्वचा पर 10 से 15 मिनट तक हल्के हाथों से गोलाकार मालिश करें। नाखूनों से रगड़ने से बचें। इसके बाद बालों की लंबाई और सिरों पर भी थोड़ी मात्रा में तेल लगाएं।

बालों की देखभाल के लिए सरसों के तेल में मेथी दाना और करी पत्ते डालकर तैयार किया गया तेल भी इस्तेमाल किया जाता है। तेल लगाने के बाद इसे दो-तीन घंटे रखने के बाद हल्के शैंपू से धो सकते हैं। सप्ताह में एक-दो बार इस्तेमाल पर्याप्त है।

सरसों का तेल कुछ लोगों की त्वचा पर जलन या एलर्जी पैदा कर सकता है। इसलिए पहली बार इस्तेमाल से पहले पैच टेस्ट जरूर करें। बाल अधिक झड़ रहे हों या समस्या लगातार बनी रहे तो विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर है।

सावधान! एआई से अब बैंक खातों पर मंडरा रहा खतरा

सुरक्षा कवच कमजोर हुआ तो साइबर अपराधी बना सकते हैं एआई को हथियार

यूनिक समय, मथुरा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर सुरक्षा को लेकर विशेषज्ञों ने गंभीर चिंता जताई है। ब्रिटेन के एआई सिक्योरिटी इंस्टीट्यूट से जुड़े विशेषज्ञों के हवाले से रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि साइबर अपराधी कमजोर सुरक्षा वाले एआई मॉडलों का इस्तेमाल बैंकिंग धोखाधड़ी और डिजिटल हमलों के लिए कर सकते हैं। हालांकि, यह दावा नहीं किया जा सकता कि तीन महीने में सभी बैंक खाते खाली हो जाएंगे।

विशेषज्ञों के अनुसार, आधुनिक एआई साइबर अपराधियों को फर्जी संदेश तैयार करने, लोगों को निशाना बनाने और जटिल साइबर हमलों को आसान बनाने में मदद कर सकता है। सुरक्षा व्यवस्था कमजोर होने पर इसका खतरा और बढ़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में एआई आधारित हमले इतने तेज हो सकते हैं कि बैंकों और सुरक्षा एजेंसियों को प्रतिक्रिया के लिए बहुत कम समय मिले। इसी वजह से वित्तीय संस्थानों को लगातार निगरानी, मजबूत प्रमाणीकरण और संदिग्ध लेनदेन की तत्काल पहचान पर जोर देना होगा।

विशेषज्ञ एआई के दुरुपयोग को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षा मानकों और नियंत्रण की जरूरत भी बता रहे हैं। आम लोगों के लिए मजबूत पासवर्ड, दो-स्तरीय सुरक्षा और संदिग्ध लिंक से दूरी रखना जरूरी है।

हर गोली एक जैसी नहीं, दवा खाने का सही तरीका समझना है जरूरी

डीटी और एमडी दवाओं को लेकर लोग अक्सर करते हैं गलती

ईआर, एमआर और सीआर गोलियां तोड़ने से बिगड़ सकता है असर

यूनिक समय, मथुरा। बीमारी के इलाज में दवा जितनी जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण उसका सही तरीके से सेवन करना भी है। हर गोली को केवल पानी के साथ निगल लेना सही तरीका नहीं होता। दवा पर लिखे संक्षिप्त संकेत उसके इस्तेमाल के तरीके के बारे में जानकारी दे सकते हैं, लेकिन किसी भी दवा को लेने से पहले पैक पर दिए निर्देश और चिकित्सक या फार्मासिस्ट की सलाह को प्राथमिकता देना जरूरी है।

डीटी यानी डिस्पर्सिबल टैबलेट ऐसी दवा हो सकती है जिसे निर्देश के अनुसार पानी में घोलकर या फैलाकर लिया जाता है। हालांकि, हर कंपनी की दवा के निर्देश अलग हो सकते हैं, इसलिए पैकेट पर लिखी जानकारी जरूर पढ़ें। एमडी यानी माउथ-डिसॉल्विंग टैबलेट आमतौर पर मुंह में रखे जाने पर घुल जाती है। ऐसी दवा को पानी के बिना लेने की सुविधा हो सकती है, लेकिन इसे चबाना या निगलना है अथवा जीभ पर रखकर घुलने देना है, यह दवा के निर्देश पर निर्भर करता है। वहीं ईआर, एमआर और सीआर जैसे संकेत अक्सर दवा के धीरे-धीरे या नियंत्रित तरीके से शरीर में पहुंचने वाली संरचना से जुड़े होते हैं। ऐसी गोलियों को बिना चिकित्सकीय सलाह के तोड़ना, कुचलना या चबाना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे दवा का प्रभाव बदल सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार, दवा की पहचान केवल उसके अक्षरों से करने के बजाय उसके नाम, शक्ति और पैकेट पर लिखे निर्देशों को देखना चाहिए। एक ही संक्षिप्त संकेत अलग दवाओं में अलग निर्देशों के साथ मिल सकता है। इसलिए सोशल मीडिया पर बताए किसी सामान्य नियम के आधार पर दवा लेने का तरीका तय करने के बजाय डॉक्टर या फार्मासिस्ट से पुष्टि करना सबसे सुरक्षित विकल्प है।

सम्पादकीय

सरकारी गोदामों में निजी रिश्तों का खेल आखिर कब रुकेगा?

सरकारी गोदाम सिर्फ अनाज रखने की जगह नहीं, बल्कि जनता के पैसे और सरकारी जिम्मेदारी की तिजोरी होते हैं। मध्य प्रदेश में निजी वेयरहाउस से जुड़े सामने आए आरोपों ने ऐसा सवाल खड़ा किया है, जो उत्तर प्रदेश समेत हर राज्य के लिए अहम है–जिस अधिकारी की जिम्मेदारी गोदाम चुनने और किराया तय करने की हो, उसके परिजनों का उसी कारोबार से जुड़ाव हो तो निष्पक्षता पर सवाल क्यों न उठें?

आरोप सही हैं या नहीं, यह जांच का विषय है। लेकिन व्यवस्था की पहली शर्त यही होनी चाहिए कि जांच की नौबत आने से पहले ही हितों के टकराव की गुंजाइश खत्म कर दी जाए। सरकारी कुर्सी और निजी कारोबार का संबंध दिखाई देने लगे तो जनता के मन में संदेह पैदा होना स्वाभाविक है।

पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश में भी खाद्यान्न भंडारण, सरकारी खरीद, मंडियों और निजी गोदामों का बड़ा नेटवर्क है। किसान से अनाज खरीदने से लेकर उसके सुरक्षित भंडारण तक सरकार हर साल भारी धनराशि खर्च करती है। इसलिए सवाल केवल किराए का नहीं, बल्कि पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता का है। कौन–सा गोदाम चुना गया? किस दर पर किराया तय हुआ? दूसरे विकल्प क्या थे? चयन की संस्तुति किसने की? और क्या निर्णय लेने वाले अधिकारी या उनके निकट संबंधियों का कोई व्यावसायिक हित तो नहीं था?

यहीं सरकारी व्यवस्था की पुरानी बीमारी दिखाई देती है–कागजों पर सब कुछ नियमों के मुताबिक और जमीन पर सवालों के मुताबिक।

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

सरकारी कर्मचारियों के लिए संपत्ति विवरण, व्यावसायिक गतिविधियों और हितों के टकराव से जुड़े नियम मौजूद हैं। फिर भी यदि परिजनों के कारोबार से जुड़े मामलों में सवाल उठते हैं तो यह केवल किसी एक अधिकारी का मामला नहीं रह जाता। यह निगरानी तंत्र की प्रभावशीलता पर भी सवाल है।

भ्रष्टाचार हमेशा रिश्वत के लिफाफे के साथ नहीं आता। कई बार वह रिश्तेदारी, निजी हित और नियमों की सुविधाजनक व्याख्या के रास्ते प्रवेश करता है। इसलिए उत्तर प्रदेश में सरकारी भंडारण व्यवस्था की स्वतंत्र समीक्षा जरूरी है। अधिकारियों और उनके निकट संबंधियों के व्यावसायिक हितों की पारदर्शी घोषणा हो। गोदाम चयन और किराया निर्धारण के रिकॉर्ड सार्वजनिक किए जाएं तथा नियमित स्वतंत्र लेखा–परीक्षण कराया जाए। मध्य प्रदेश के आरोपों से उत्तर प्रदेश को भी सबक लेना चाहिए। गोदाम निजी हो या सरकारी, उसमें रखा अनाज जनता के भरोसे से जुड़ा है। सरकारी कुर्सी पर बैठे व्यक्ति का निजी कारोबार से टकराव नहीं, बल्कि व्यवस्था की पारदर्शिता सबसे ऊपर होनी चाहिए। *कुर्सी सरकारी है तो कारोबार का हिसाब भी साफ होना चाहिए, क्योंकि सरकारी खजाने का पैसा आखिर जनता की मेहनत की कमाई है।

नजरिया

बीमारी से पहले इलाज महंगा अब दवाइयां भी जेब पर भारी

बोध प्रकाश सगुणी

बीमारी अपने साथ सिर्फ दर्द नहीं लाती, वह परिवार की आर्थिक चिंता भी साथ लेकर आती है। अस्पताल की फीस, जांचों का खर्च, डॉक्टर की फीस और लंबे इलाज के बीच दवाइयों का बढ़ता दाम अब आम आदमी के लिए नई परेशानी बनता जा रहा है। खासकर गंभीर बीमारियों से जूझ रहे परिवारों के लिए हर बढ़ी हुई कीमत सीधे घरेलू बजट पर चोट करती है। सवाल इसलिए सिर्फ यह नहीं है कि दवा महंगी क्यों हुई, सवाल यह है कि क्या जिंदगी बचाने वाली दवाइयां भी बाजार की सामान्य वस्तुओं की तरह कीमतों के उतार–चढ़ाव के हवाले की जा सकती हैं?

भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ने का दावा कर रहा है। सड़कें बन रही हैं, बड़े अस्पताल खड़े हो रहे हैं, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है और चिकित्सा तकनीक लगातार आधुनिक हो रही है। लेकिन विकास की असली तस्वीर उस समय सामने आती है, जब किसी सामान्य परिवार के सामने गंभीर बीमारी का संकट खड़ा होता है। यदि बीमारी का इलाज कराने के लिए परिवार को जमा पूंजी निकालनी पड़े, कर्ज लेना पड़े या संपत्ति बेचने की नौबत आ जाए, तो विकास के आंकड़ों पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है।

दवाओं की कीमतों में वृद्धि का अपना आर्थिक पक्ष है। उत्पादन लागत बढ़ती है, कच्चे माल की कीमतें बदलती हैं, आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित होती है और कई बार बाजार में आवश्यक दवाओं की कमी का खतरा भी रहता है। दवा कंपनियों का यह तर्क भी समझा जा सकता है कि यदि उत्पादन लागत के अनुरूप कीमत नहीं मिलेगी तो कुछ दवाओं का उत्पादन प्रभावित हो सकता है। लेकिन स्वास्थ्य क्षेत्र की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां उत्पाद का संबंध सीधे इंसान की जिंदगी से होता है।

यही कारण है कि जीवनरक्षक दवाओं के मामले में मुनाफे और मानवीय जिम्मेदारी के बीच संतुलन बेहद जरूरी है। कैंसर, हृदय, किडनी जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज में लंबे समय तक दवाइयां चलती हैं। किसी मरीज के लिए पांच–दस प्रतिशत की कीमत वृद्धि भी मामूली नहीं होती। महीने का दवा खर्च बढ़ने पर परिवार को राशन, बच्चों की पढ़ाई और दूसरे जरूरी खर्चों में कटौती करनी पड़ सकती है। निम्न और मध्यम आय वर्ग के परिवारों के लिए बीमारी धीरे–धीरे स्वास्थ्य संकट से आर्थिक संकट में बदल जाती है। विडंबना यह है कि एक तरफ सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की बात होती है, दूसरी तरफ निजी अस्पतालों का

बढ़ता खर्च आम आदमी को परेशान करता है। कई मरीजों के सामने अस्पताल की फीस और जांचों के भारी बिल पहले ही चुनौती हैं। ऐसे में दवाओं की कीमत बढ़ना उस बोझ को और भारी कर देता है। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य मरीज को राहत देना होना चाहिए, लेकिन यदि इलाज की प्रक्रिया ही परिवार को आर्थिक असुरक्षा में धकेल दे तो व्यवस्था की प्राथमिकताओं पर विचार करना आवश्यक हो जाता है। सरकार ने आयुष्मान भारत और जन औषधि जैसी योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं। इन योजनाओं से बड़ी संख्या में लोगों को लाभ भी मिला है। लेकिन योजनाओं की सफलता का अंतिम पैमाना यही होना चाहिए कि जरूरत के समय मरीज को सस्ती, उपलब्ध और गुणवत्तापूर्ण दवा मिल रही है या नहीं।

जन औषधि केंद्रों का विस्तार निश्चित रूप से सकारात्मक कदम है, लेकिन केवल केंद्र खोल देना पर्याप्त नहीं है। वहां आवश्यक दवाओं की नियमित उपलब्धता, गुणवत्ता और कीमत की निगरानी भी उतनी ही जरूरी है। यदि किसी मरीज को सस्ती दवा उपलब्ध होने की जानकारी ही नहीं है या जरूरी दवा केंद्र पर मिलती ही नहीं, तो योजना का वास्तविक लाभ सीमित हो जाता है। दवाओं की कीमत तय करने की प्रक्रिया में पारदर्शिता भी जरूरी है। यदि किसी दवा की कीमत बढ़ाने की अनुमति दी जाती है तो सरकार और नियामक संस्थाओं को यह स्पष्ट करना चाहिए कि लागत में कितना इजाफा हुआ, कीमत कितनी बढ़ाई गई और उसका मरीज पर वास्तविक आर्थिक प्रभाव क्या होगा। इससे न केवल कंपनियों की जवाबदेही बढ़ेगी, बल्कि जनता के बीच भरोसा भी कायम होगा। सरकार को जीवनरक्षक और अत्यावश्यक दवाओं के लिए अलग और अधिक संवेदनशील मूल्य नीति पर विचार करना चाहिए। जिन दवाओं के बिना गंभीर मरीजों का उपचार संभव नहीं है, उनकी कीमतों को सामान्य बाजार व्यवस्था के भरोसे पूरी तरह नहीं छोड़ा जा सकता। आवश्यक दवाओं के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना, कच्चे माल की उपलब्धता सुनिश्चित करना और उत्पादन लागत कम करने के उपाय करना भी दीर्घकालिक समाधान का हिस्सा होना चाहिए। स्वास्थ्य बीमा का विस्तार भी इस समस्या का महत्वपूर्ण उत्तर हो सकता है। कई परिवार अस्पताल में भर्ती होने का खर्च तो किसी योजना से उठा लेते हैं, लेकिन बीमारी के बाद महीनों तक चलने वाली दवाओं और जांचों का खर्च स्वयं उठाना पड़ता है। गंभीर और दीर्घकालिक बीमारियों के मरीजों के लिए बीमा सुरक्षा का दायरा इसलिए व्यापक होना चाहिए। साथ ही डॉक्टरों और अस्पतालों की भूमिका पर भी नजर रखना जरूरी है। महंगी दवा तभी समस्या बनती है जब मरीज को उसकी जरूरत हो, लेकिन अनावश्यक दवाइयां और गैरजरूरी जांचें परिवार का खर्च कई गुना बढ़ा सकती हैं। चिकित्सा क्षेत्र में पारदर्शिता और नैतिकता को मजबूत करना इसलिए दवा मूल्य नियंत्रण जितना ही महत्वपूर्ण है। वर्ष 2047 में विकसित भारत का सपना केवल बड़ी अर्थव्यवस्था, आधुनिक शहरों और चमकते अस्पतालों से पूरा नहीं होगा। विकसित भारत वह होगा, जहां किसी गरीब परिवार को यह तय न करना पड़े कि बच्चे की फीस भरें या बीमार मां की दवा खरीदें। वह भारत तभी विकसित कहलाएगा, जब बीमारी परिवार को गरीबी की ओर धकेलने के बजाय मजबूत सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था से सहारा पाए। आज जरूरत किसी एक दवा कंपनी या किसी एक मूल्य वृद्धि को लेकर बहस करने से आगे बढ़ने की है। पूरे स्वास्थ्य तंत्र को मरीज के नजरिये से देखने की जरूरत है। दवा कंपनियां भी आवश्यक हैं, निजी अस्पताल भी और आधुनिक चिकित्सा तकनीक भी, लेकिन इनके केंद्र में मरीज होना चाहिए, मुनाफा नहीं।

किसी नागरिक की जिंदगी उसकी जेब की क्षमता से तय नहीं होनी चाहिए। बीमारी पहले ही इंसान को कमजोर करती है, महंगा इलाज उसे आर्थिक रूप से भी तोड़ देता है। इसलिए जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों पर संवेदनशील और प्रभावी नियंत्रण, सरकारी अस्पतालों में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता, सस्ती दवाओं के विकल्प और व्यापक स्वास्थ्य बीमा समय की मांग हैं। विकसित भारत की सबसे बड़ी पहचान यह नहीं होगी कि यहां कितने बड़े अस्पताल हैं, बल्कि यह होगी कि आम आदमी उन अस्पतालों और दवाओं तक कितनी आसानी से पहुंच सकता है। यदि इलाज जिंदगी बचाने के साथ परिवार की आर्थिक जिंदगी भी बचा सके, तभी स्वास्थ्य व्यवस्था को वास्तव में जनकल्याणकारी कहा जा सकेगा।

विचार विंडो

गणेश सिर्फ विघ्नहर्ता नहीं, हमारी कमजोरियों के शिक्षक भी हैं

राम प्रकाश शर्मा

गणेश चतुर्थी पर जब घर–घर भगवान गणेश की स्थापना होती है, तो कहीं मोदक का भोग लगता है, कहीं आरती होती है और कहीं ढोल–नगाड़ों के बीच गणपति बप्पा मोरया के जयकारे गूंजते हैं। हम गणेशजी को विघ्नहर्ता, बुद्धि के देवता और मंगलकर्ता के रूप में पूजते हैं। लेकिन गणेशजी की सबसे बड़ी खूबसूरती शायद उनकी मूर्ति में नहीं, बल्कि उनके चरित्र और उनसे जुड़ी कथाओं में छिपे जीवन–संदेशों में है।

गणेशजी के अलग–अलग स्वरूपों की कथाएं यदि आज की जिंदगी के संदर्भ में पढ़ी जाएं तो वे किसी प्रबंधन की किताब से कम उपयोगी नहीं लगतीं। इनमें मनुष्य की वही कमजोरियां दिखाई देती हैं, जिनसे आज का व्यक्ति भी रोज लड़ रहा है–अहंकार, लालच, क्रोध, ईर्ष्या, मोह और अनियंत्रित इच्छाएं। फर्क सिर्फ इतना है कि पुराणों ने इन्हें राक्षसों का रूप दिया और आज हम इन्हीं प्रवृत्तियों को अपने व्यवहार में पहचान सकते हैं।

वक्रतुंड का संदेश सबसे पहले ध्यान खींचता है। मुड़ी हुई सूंड को केवल धार्मिक प्रतीक मानकर आगे बढ़ जाना आसान है, लेकिन इसमें परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालने का संकेत भी देखा जा सकता है। जीवन कभी सीधी सड़क नहीं होता। कभी रास्ता बदलना पड़ता है, कभी गति कम करनी पड़ती है और कभी लक्ष्य तक पहुंचने के लिए अलग दिशा चुननी पड़ती है। वक्रतुंड की कथा ईर्ष्या और मत्सर पर विजय का संदेश देती है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में यह सीख और भी महत्वपूर्ण है। दूसरों की सफलता से जलने वाला व्यक्ति अक्सर अपनी क्षमता पहचानना भूल जाता है।

एकदंत हमें अहंकार और सत्य के बीच का अंतर समझाता है। मनुष्य अपने पद, धन, ज्ञान या प्रतिष्ठा को ही अपनी पहचान मानने लगता है। लेकिन समय किसी का स्थायी परिचय नहीं होता।

एकदंत की कथा जैसे याद दिलाती है कि भ्रम चाहे कितना बड़ा हो, अंततः सत्य के सामने टिक नहीं सकता। आज सोशल मीडिया के दौर में यह संदेश

और जरूरी हो गया है, जहां दिखने और वास्तविक होने के बीच का अंतर लगातार बढ़ रहा है।

महोदर का बड़ा उदर भी अपने भीतर गहरी सीख रखता है। जिंदगी में हर दिन कुछ अच्छा और कुछ बुरा हमारे सामने आता है। हर बात का जवाब देना, हर आलोचना पर प्रतिक्रिया करना और हर छोटी बात को दिल पर लेना व्यक्ति को भीतर से थका देता है। बड़ा उदर हमें संकेत देता है कि जीवन के अनुभवों को पचाने की क्षमता भी बुद्धिमत्ता का हिस्सा है। हर बात का प्रतिकार जरूरी नहीं; कुछ बातों को समझकर छोड़ देना भी परिपक्वता है।

गजानन की कथा लालच और आत्मबोध की ओर ध्यान दिलाती है। लालच की कोई अंतिम सीमा नहीं होती। धन बढ़ता है तो इच्छाएं बढ़ती हैं, इच्छाएं बढ़ती हैं तो अपेक्षाएं बढ़ती हैं और अपेक्षाएं पूरी न हों तो असंतोष बढ़ता जाता है। मनुष्य बाहर की दुनिया जीतने में इतना व्यस्त हो जाता है कि अपने भीतर झांकना भूल जाता है। गजानन का संदेश यही है कि आत्मबोध जाग जाए तो अनियंत्रित इच्छाओं पर लगाम लगाई जा सकती है।

लंबोदर हमें क्रोध पर नियंत्रण की सीख देता है। आज परिवार से लेकर कार्यस्थल तक छोटी–छोटी बातों पर गुस्सा रिश्तों को कमजोर कर रहा है। क्रोध में लिया गया एक निर्णय वर्षों के रिश्ते को नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए क्रोध को शक्ति समझना भूल है। असली शक्ति अपने आवेग को नियंत्रित करने में है।

विकट की कथा इच्छाओं और अहंकार के रिश्ते को सामने लाती है। इच्छाएं जीवन को आगे बढ़ाती हैं, लेकिन जब इच्छाएं व्यक्ति को नियंत्रित करने लगें तो वही विकास का रास्ता रोक देती हैं। आज उपभोग की संस्कृति ने इस समस्या को और बड़ा कर दिया है। हमें जो चाहिए, उससे अधिक महत्वपूर्ण यह हो गया है कि दूसरे के पास क्या है। इस दौड़ का कोई अंत नहीं।

विघ्नराज का संदेश भी आज के समाज के लिए बेहद प्रासंगिक है। कई बार व्यक्ति स्वभाव से बुरा नहीं होता, लेकिन गलत संगत, गलत आकर्षण और लगातार गलत चुनाव उसे उस रास्ते पर ले जाते हैं, जहां से लौटना कठिन हो जाता है। इसलिए जीवन में केवल अपनी संगत ही नहीं, अपने आकर्षणों पर भी नजर रखना जरूरी है।

और फिर आता है धूम्रवर्ण–अहंकार का प्रतीक। अहंकार सबसे खतरनाक इसलिए है क्योंकि व्यक्ति को इसकी मौजूदगी अक्सर दिखाई ही नहीं देती। उसे लगता है कि गलती हमेशा सामने वाले की है। पद मिलने के बाद व्यवहार बदलना, सफलता के बाद दूसरों को छोटा समझना या अपनी बात को अंतिम सत्य मानना–ये अहंकार के ही छोटे–छोटे रूप हैं। धुएं की तरह अहंकार भी दृष्टि धुंधली कर देता है।

गणेशजी की इन कथाओं की असली शक्ति यही है कि इनमें राक्षस बाहर नहीं, हमारे भीतर मिलते हैं। मत्सरासुर हमारी ईर्ष्या हो सकता है, मदासुर हमारा अहंकार, मोहासुर हमारा मोह, लोभासुर हमारा लालच और क्रोधासुर हमारा गुस्सा।

इसलिए गणेश चतुर्थी केवल पूजा और उत्सव का अवसर नहीं, अपने भीतर झांकने का भी पर्व बन सकती है। गणेशजी की प्रतिमा के सामने दीप जलाते समय यदि हम अपने भीतर की किसी एक कमजोरी को कम करने का संकल्प भी लें, तो पूजा का अर्थ

804 रेटिंग पॉइंट हासिल कर श्री चरणी ने रचा इतिहास

दीप्ति शर्मा ने आईसीसी रैंकिंग में लगाई चार पायदान की लंबी छलांग

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिला टी20 एशिया कप 2026 का खिताब जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ियों को आईसीसी टी20 रैंकिंग में भी शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। श्रीलंका को फाइनल में 72 रन से हराकर भारत ने रिकॉर्ड आठवीं बार एशिया कप ट्रॉफी अपने नाम की थी। अब ताजा रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई है। सबसे बड़ा फायदा बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी को हुआ है, जिन्होंने 804 रेटिंग पॉइंट हासिल कर इतिहास रच दिया है।

श्री चरणी महिला टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर बनी हुई हैं और 800 रेटिंग पॉइंट का आंकड़ा पार करने वाली पहली भारतीय गेंदबाज बन गई हैं। एशिया कप के फाइनल में उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ शानदार गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके थे। पूरे टूर्नामेंट में श्री चरणी के नाम 12 विकेट रहे। उनके इस प्रदर्शन ने भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई और अब वह महिला टी20 क्रिकेट की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल करने वाली गेंदबाजों की खास सूची में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं।

इस सूची में ऑस्ट्रेलिया की मेगन शट 806 रेटिंग पॉइंट के साथ सबसे ऊपर हैं। श्री चरणी 804 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर हैं, जबकि इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन 802 पॉइंट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। दक्षिण अफ्रीका की शबनीम इस्माइल 781 और ऑस्ट्रेलिया की शेली निट्श्के 780 रेटिंग पॉइंट के साथ आगे की सूची में शामिल हैं।

वहीं, अनुभवी भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाई है। एशिया कप में 14 विकेट लेने वाली दीप्ति चार पायदान ऊपर चढ़कर गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। फाइनल मुकाबले में उन्होंने 19 रन देकर तीन विकेट हासिल किए थे। अब श्री चरणी के बाद नंबर–1 स्थान के लिए दीप्ति शर्मा सबसे बड़ी चुनौती बन गई हैं।

बल्लेबाजी रैंकिंग में भी भारत को फायदा हुआ है। एशिया कप में 236 रन बनाकर टूर्नामेंट की सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बनीं शेफाली वर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गई हैं। उनका टूर्नामेंट में बल्लेबाजी औसत 47.20 रहा। ऑलराउंडरों की रैंकिंग में भी शेफाली ने पांच पायदान की छलांग लगाई है और अब वह 15वें स्थान पर हैं। महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी और जॉर्जिया वॉल शीर्ष दो स्थानों पर कायम हैं। भारतीय खिलाड़ियों की इस शानदार छलांग से साफ है कि एशिया कप जीतने के बाद आईसीसी रैंकिंग में भी टीम इंडिया का दबदबा बढ़ा है।

70 हजार रूपये किराया, फिर भी झुग्गियों जैसा दिखता है नजारा

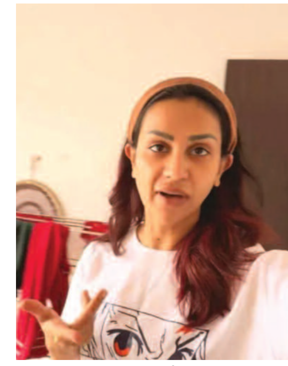

'रोडीज' विनर आंचल खुराना ने दिखाया अपने घर का हाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई को सपनों का शहर कहा जाता है, लेकिन टीवी अभिनेत्री और 'एमटीवी रोडीज 8' की विनर आंचल खुराना ने अपने नए व्लॉग में ग्लैमर की दुनिया से बिल्कुल अलग तस्वीर दिखाई है। आंचल ने अपने मुंबई स्थित 1बीएचके किराए के फ्लैट का टूर कराया और बताया कि इसके लिए वह हर महीने करीब 70 हजार रुपये किराया देती हैं। इसके बावजूद उनके घर की खिड़की से समुद्र या शानदार स्काईलाइन नहीं, बल्कि चॉल और झुग्गी बस्ती का नजारा दिखाई देता है। आंचल ने मजाकिया अंदाज में कहा कि मुंबई में अपना घर खरीदना उनके लिए अभी भी सपना है। उन्होंने यहां तक कहा कि जिस तरह महंगाई बढ़ रही है और इंडस्ट्री की स्थिति है, उन्हें अपना घर खरीदने में 400–500 साल लग सकते हैं। उन्होंने घर की छोटी रसोई दिखाई, जहां जगह की कमी के कारण वॉशिंग मशीन भी रखी गई है। अभिनेत्री ने बेडरूम और घर के दूसरे हिस्सों को भी बिना सजाए–संवारे दिखाया। दिलचस्प बात यह है कि साधारण फ्लैट में रहने वाली आंचल के पास महंगे डिजाइनर बैग्स का अच्छा कलेक्शन है। उन्होंने वाईएसएल, गुच्ची, माइकल कोर्स, कोच और लुई वितों जैसे ब्रांड्स के बैग भी दिखाए। आंचल ने कहा कि वह घर को वैसा ही दिखाना चाहती हैं, जैसा वह रोजमर्रा की जिंदगी में रहता है। 'रोडीज 8' जीतने के बाद अभिनय में पहचान बनाने वाली आंचल 'सपने सुहाने लड़कपन के' और 'बड़े अच्छे लगते हैं' जैसे शोज में नजर आ चुकी हैं। उनका यह व्लॉग सेलिब्रिटी लाइफ के पीछे छिपी आम जिंदगी और संघर्ष की झलक दिखाता है।

2026 एमी अवॉर्ड्स में 'द पिट' का जलवा

'हैक्स' ने रचा रिकॉर्ड जानिए किसे मिला कौन सा बड़ा पुरस्कार

यूनिक समय, नई दिल्ली। 2026 एमी अवॉर्ड्स में इस बार कई शानदार टीवी शोज और कलाकारों ने अपनी धाक जमाई। एचबीओ की मेडिकल ड्रामा सीरीज 'द पिट' ने सर्वश्रेष्ठ ड्रामा सीरीज का पुरस्कार अपने नाम करते हुए सबसे ज्यादा चर्चा बटोरी।

वहीं 'हैक्स' ने कॉमेडी कैटेगरी में नया रिकॉर्ड कायम किया। इस साल एमी अवॉर्ड्स की मेजबानी 'लॉ एंड ऑर्डरः एसवीयू' स्टार मारिस्का हरगिटे ने की। 'द पिट' को इस साल कुल 25 नामांकन मिले थे, जो पिछले साल की तुलना में करीब दोगुने हैं। सीरीज के मुख्य अभिनेता नोआ वाइल ने ड्रामा सीरीज में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता। वहीं रिया सीहॉर्न ने 'प्लुरिबस' के लिए ड्रामा सीरीज की सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का अवॉर्ड अपने नाम किया। ड्रामा कैटेगरी में टॉम पेलफ्रे और एलिसन जैनी को क्रमशः सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता और अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। कॉमेडी कैटेगरी में 'विधोज बे' ने सर्वश्रेष्ठ कॉमेडी सीरीज का खिताब जीता। वहीं 'हैक्स' की जीन स्मार्ट सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री बनीं। 'विधोज बे' के मैथ्यू राइस को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और स्टीफन रूट को सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार मिला। 'हैक्स' ने इस साल 24 नामांकन हासिल किए और कॉमेडी सीरीज में सबसे ज्यादा नामांकन का नया रिकॉर्ड बनाया। सीमित या एंथोलॉजी सीरीज की श्रेणी में 'डीटीएफ सेंट लुइस' ने बाजी मारी। इसके कलाकार डेविड हार्बर और लिंडा कार्डेलिनी को सहायक अभिनय पुरस्कार मिले। 'द ट्रेटर्स' को सर्वश्रेष्ठ रियलिटी प्रतियोगिता सीरीज, जबकि 'द लेट शो विद स्टीफन कोलबर्ट' को सर्वश्रेष्ठ वैरायटी सीरीज चुना गया।

एनिमेटेड कार्यक्रम का पुरस्कार 'साउथ पार्क' के नाम रहा। इसके अलावा 'रिमार्केबली ब्राइट क्रिएचर्स' ने सर्वश्रेष्ठ टेलीविजन फिल्म का पुरस्कार जीता, जबकि 'द एप्पल म्यूजिक सुपर बाउल एलएक्स हाफटाइम शो स्टारिंग बैड बनी' को सर्वश्रेष्ठ लाइव वैरायटी स्पेशल चुना गया। इस तरह 2026 एमी अवॉर्ड्स में ड्रामा, कॉमेडी, रियलिटी और वैरायटी–हर श्रेणी में कई चर्चित नामों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

अंबानी के गणपति उत्सव में अदा मलिक के बालों ने खींचा ध्यान

आधे सफेद–आधे काले लुक पर मचा बवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में अंबानी परिवार के एंटीलिया स्थित घर पर गणपति उत्सव में बॉलीवुड और मनोरंजन जगत की कई हस्तियां पहुंचीं। इसी दौरान मशहूर संगीतकार अन्नू मलिक भी पत्नी अंजली और बेटियों अनमोल व अदा मलिक के साथ नजर आए। हालांकि इस दौरान सबसे ज्यादा ध्यान उनकी छोटी बेटी अदा मलिक ने खींचा। अदा अपने कपड़ों से ज्यादा अपने अनोखे हेयरस्टाइल को लेकर चर्चा में रहीं। अदा के बालों का एक हिस्सा सफेद और दूसरा हिस्सा काले रंग का नजर आया। उनके इस कॉन्ट्रास्ट हेयरस्टाइल ने पूरे लुक को बेहद अलग बना दिया। अदा ने पिंक रंग का ब्रोकेड शरारा पहना था, जिसमें पारंपरिक और मॉडर्न फैशन का मेल देखने को मिला। अपने इस लुक को उन्होंने पूरे कॉन्फिडेंस के साथ कैरी किया। अदा के वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर उनके लुक को लेकर लोगों की अलग–अलग प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कुछ यूजर्स को उनका फैशन एक्सपेरिमेंट पसंद आया, जबकि कुछ ने उनके हेयरस्टाइल की आलोचना की। कुछ लोगों ने तो उनके लुक की तुलना जोकर से तक कर दी। इसके बावजूद अदा अपने बोल्ड और अलग अंदाज के लिए लगातार सुर्खियां बटोरती रही हैं। अदा मलिक सिर्फ अन्नू मलिक की बेटी के तौर पर ही नहीं, बल्कि फैशन डिजाइनर के रूप में भी अपनी पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने न्यूयॉर्क के पार्सन्स स्कूल ऑफ डिजाइन से फैशन डिजाइनिंग की पढ़ाई की है और संजय लीला भंसाली के साथ भी काम किया है। सोशल मीडिया पर उनके फैशन और लुक्स को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है।

भारत की धरती पर फिर होगी भारत बनाम पाकिस्तान की टक्कर

पाकिस्तान आएगा या नहीं? सरकार की मंजूरी पर टिकी नजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच जब भी मुकाबला होता है, खेल का रोमांच कई गुना बढ़ जाता है। अब एक बार फिर दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी आमने–सामने आने वाले हैं, लेकिन इस बार मुकाबला क्रिकेट नहीं बल्कि हॉकी के मैदान पर होगा। खास बात यह है कि भारत और पाकिस्तान की संभावित भिड़ंत भारतीय सरजमीं पर होने वाली है। हालांकि पाकिस्तान की टीम भारत आएगी या नहीं, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। दरअसल, मेन्स एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 का आयोजन 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक पंजाब में किया जाना है। टूर्नामेंट में मेजबान और मौजूदा चैंपियन भारत के अलावा पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, चीन और जापान की टीमें हिस्सा लेंगी। ओमान और बांग्लादेश को रिजर्व टीमों में रखा गया है। टूर्नामेंट के कार्यक्रम का ऐलान पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किया है। भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 1 नवंबर को प्रस्तावित है। यह मैच जालंधर के ओलंपियन सुरजीत सिंह हॉकी स्टेडियम में खेला जा सकता है। टूर्नामेंट के शुरुआती और ग्रुप स्टेज के मुकाबले जालंधर में होंगे, जबकि सेमीफाइनल 4 नवंबर और फाइनल 5 नवंबर को मोहाली के ओलंपियन बलबीर सिंह सीनियर इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे।

हालांकि, पाकिस्तान के भारत दौरे को लेकर पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन ने स्थिति स्पष्ट नहीं की है। पीएचएफ अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने कहा है कि टीम का भारत दौरा सरकार की मंजूरी पर निर्भर करेगा। उन्होंने साफ किया कि फेडरेशन सरकार के निर्देश के अनुसार ही इस मामले में आगे कदम उठाएगा।

ऐसे में 1 नवंबर का मुकाबला फिलहाल प्रस्तावित है और इसकी तस्वीर पाकिस्तान सरकार के फैसले के बाद साफ होगी। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन 2011 से हो रहा है। भारत इस टूर्नामेंट का सबसे सफल देश है और अब तक पांच बार खिताब जीत चुका है। भारतीय टीम लगातार दो बार चैंपियन रही है और इस बार उसके पास लगातार तीसरी बार ट्रॉफी जीतने का मौका होगा। वहीं पाकिस्तान भी तीन बार यह खिताब अपने नाम कर चुका है। ऐसे में अगर दोनों टीमें मैदान पर उतरती हैं, तो पंजाब में होने वाला यह मुकाबला टूर्नामेंट के सबसे बड़े आकर्षण में शामिल होगा।

गंगा खादर में दंपती के शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका

पत्नी का शव पेड़ से बंधा मिला, डेढ़ किमी दूर फंदे पर लटका था पति

चप्पल और खून के निशान से गहराया रहस्य

यूनिक समय, बिजनौर। जलालपुर काजी गांव में सोमवार से लापता पति-पत्नी के शव मंगलवार को अलग-अलग स्थानों पर मिलने से सनसनी फैल गई। 45 वर्षीय देशराज उर्फ छोटे और उनकी पत्नी सुषमा सोमवार सुबह गंगा खादर स्थित खेत पर चारा और लकड़ी लेने गए थे। देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने तलाश शुरू की। पुलिस अब दोनों की मौत की परिस्थितियों और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की जांच कर रही है।

दोपहर बाद बेटी कामिनी ने छोटे भाई हनी को माता-पिता की तलाश में खेत पर भेजा। हनी को चकरोड पर सुषमा की चप्पल और कुछ दूरी पर देशराज की चप्पल पड़ी मिली। पास में खून के निशान भी दिखाई दिए। इसके बाद परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

शुरुआती तौर पर जंगली जानवर के हमले की आशंका जताते हुए वन विभाग को भी सूचना दी गई। देर शाम तक दोनों का पता नहीं चल सका।

मंगलवार सुबह तलाश के दौरान सुषमा का शव गंगा के पानी में गिरे शहतूत के पेड़ से दुपट्टे के सहारे बंधा मिला। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर जांच शुरू की। इसके बाद देशराज की तलाश में जुटी पुलिस को करीब डेढ़ किलोमीटर दूर उसका शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस के अनुसार फंदा बाइक के क्लच तार से बनाया गया था। मौके पर देशराज के कपड़े नहीं मिले और उसके शरीर पर पत्नी की सलवार थी। इस वजह से मामले में कई सवाल खड़े हो रहे हैं। पुलिस ने दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

एएसपी सिटी डॉ. कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि मामले की जांच चल रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और साक्ष्यों के आधार पर मौत की वास्तविक वजह सामने आएगी।

आईएएस दिव्या मित्तल का इस्तीफा मंजूर, 17 साल की सेवा बाकी थी

30 अगस्त को दिया था इस्तीफा, व्यक्तिगत और पारिवारिक कारण बताए

सोशल मीडिया पर लिखा- 'प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो'

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश कैडर की 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का इस्तीफा केंद्र सरकार ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने 30 अगस्त को व्यक्तिगत कारणों, पारिवारिक प्राथमिकताओं और जीवन के नए लक्ष्यों का हवाला देते हुए सेवा से इस्तीफा दिया था। सोमवार रात उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी साझा की। पोस्ट में उन्होंने जयशंकर प्रसाद के नाटक चंद्रगुप्त की पंक्ति लिखी- 'प्रशस्त पुण्य पंथ है, बढ़े चलो, बढ़े चलो।'

दिव्या मित्तल ने करीब 13 साल तक प्रशासनिक सेवा में काम किया। मई में उन्हें देवरिया के जिलाधिकारी पद से हटाकर राजस्व विभाग में विशेष सचिव बनाया गया था। वह मिर्जापुर, बस्ती और देवरिया की जिलाधिकारी रह चुकी हैं। सख्त प्रशासनिक छवि के लिए जानी जाने वाली दिव्या कई बार मौके पर ही अधिकारियों को फटकार लगाने के कारण चर्चा में रही हैं।

हरियाणा के रेवाड़ी की रहने वाली दिव्या ने आईआईटी दिल्ली से बीटेक और आईआईएम बेंगलुरु से एमबीए किया। इसके बाद लंदन में नौकरी की, लेकिन सिविल सेवा में आने के लिए नौकरी छोड़कर भारत लौट आईं। उन्होंने पहले प्रयास में यूपीएससी पास कर आईपीएस हासिल किया और अगले ही प्रयास में आईएएस बनीं। उनके पति गगनदीप सिंह भी भारतीय व्यापार सेवा के अधिकारी रह चुके हैं। उन्होंने 2022 में सेवा से इस्तीफा देकर अपना कारोबार शुरू किया।

राम मंदिर ट्रस्ट बोला- सीईओ चयन में नहीं हुई कोई गड़बड़ी

एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र ने अयोध्या में दिया था इंटरव्यू

5585 आवेदनों की हुई बहुस्तरीय जांच

यूनिक समय, अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी के चयन को लेकर उठ रहे सवालों पर ट्रस्ट के महासचिव स्वामी गोविंददेव गिरि ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और तय नियमों के अनुसार हुई। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र ने 11 अगस्त को अयोध्या में व्यक्तिगत साक्षात्कार दिया था।

स्वामी गोविंददेव गिरि के अनुसार 6 जुलाई को खोज समिति गठित की गई थी। समिति को 5585 आवेदन मिले। एआई स्क्रीनिंग और विशेषज्ञों की मैनुअल जांच के बाद 16 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए चुना गया। सभी के 11 और 12 अगस्त को अयोध्या में इंटरव्यू हुए।

खोज समिति ने 1 सितंबर को अंतिम रिपोर्ट सौंपी। इसके बाद 2 सितंबर को शीर्ष तीन उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक किए गए। इनमें एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र भी शामिल थे। ट्रस्ट ने उनके इंटरव्यू में शामिल नहीं होने संबंधी दावों को गलत बताया। महासचिव ने कहा कि पूरी प्रक्रिया का रिकॉर्ड सुरक्षित है।

यूपी में 28,409 अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की होगी जांच

7,994 लेखपाल पदों पर भर्ती के लिए शॉर्टलिस्ट हुए अभ्यर्थी

सत्यापन पूरा होने के बाद जारी होगा अंतिम परिणाम

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 7,994 लेखपाल पदों पर भर्ती की प्रक्रिया अब अभिलेख सत्यापन के चरण में पहुंच गई है। भर्ती के लिए कुल 28,409 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। चयनित अभ्यर्थियों को निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपने जरूरी दस्तावेज अपलोड करने होंगे। अभिलेखों की जांच के बाद पात्र अभ्यर्थियों की अंतिम चयन सूची जारी की जाएगी।

अभ्यर्थियों के शैक्षिक प्रमाणपत्र, पात्रता से जुड़े दस्तावेज और अन्य जरूरी अभिलेखों का सत्यापन किया जाएगा। सत्यापन के दौरान किसी अभ्यर्थी के दस्तावेज में कमी या पात्रता संबंधी गड़बड़ी मिलने पर उसका चयन प्रभावित हो सकता है। विभागीय स्तर पर सभी रिकॉर्ड की जांच पूरी होने के बाद ही अंतिम परिणाम जारी किया जाएगा। इस भर्ती में लेखपाल के कुल 7,994 पद भरे जाने हैं। पदों की संख्या के मुकाबले करीब साढ़े तीन गुना अभ्यर्थियों को सत्यापन के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। अब अंतिम चयन दस्तावेज सत्यापन और पात्रता की जांच के आधार पर होगा। अभ्यर्थियों को विभाग की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार समय पर दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे।

फर्जी फर्मों से करोड़ों का लोन घोटाला, बैंक-जीएसटी अधिकारी समेत नौ पर केस

पीएमएफएमई और सीएम युवा योजना के नाम पर 200-250 करोड़ की ठगी का आरोप, जांच में जुटी पुलिस

यूनिक समय, कानपुर। कल्याणपुर में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) और सीएम युवा योजना के नाम पर फर्जी फर्म बनाकर करोड़ों रुपये का लोन हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने ऑटो चालक शिवम शुक्ला की शिकायत पर बैंक अधिकारियों, जीएसटी अधिकारी समेत नौ लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और धमकी की प्राथमिकी दर्ज की है।

शिवम का आरोप है कि सितंबर 2024 में उसकी मुलाकात खुद को सीए बताने वाले राहुल ओझा से हुई थी। राहुल ने नौकरी देने के बाद लोन कराने के नाम पर आधार, मोबाइल समेत जरूरी दस्तावेज ले लिए। बाद में बैंक अधिकारियों से मिलवाकर उससे अन्य लोगों के दस्तावेज भी लिए गए। आरोप है कि उसके नाम फर्जी फर्म बनाकर 80 लाख रुपये का लोन करा लिया गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक फर्जी फर्मों के नाम पर अन्य लोगों के भी लोन कराए गए और मशीनों की खरीद के फर्जी कोटेशन तैयार किए गए। न मशीनें मिलीं और न रकम। बाद में उसके पास 81 हजार रुपये मासिक किस्त का नोटिस पहुंचा, तब मामले का पता चला। पुलिस कमिश्नर रघुबीर लाल ने इसे बड़े गिरोह का मामला बताते हुए जांच के निर्देश दिए हैं। पुलिस के अनुसार पूछताछ में गिरोह से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं।

सपा-कांग्रेस में सीट बंटवारे पर फंसा पेच, 111 सीटों पर दावा तय

कांग्रेस ज्यादा सीटों की मांग पर अड़ी

सपा जीती सीटें छोड़ने को तैयार नहीं

भाजपा की जीती सीटों पर समझौते का संकेत

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों के बीच सपा और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान बढ़ती जा रही है। कांग्रेस जल्द सीटों का निर्धारण चाहती है, जबकि समाजवादी पार्टी अभी जमीनी समीकरणों और संभावित प्रत्याशियों की स्थिति का आकलन कर रही है। दोनों दलों के आंतरिक सर्वे के अलग-अलग दावों ने भी बातचीत को पेचीदा बना दिया है।

कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव में अपने प्रदर्शन को आधार बनाकर ज्यादा सीटें मांग रही है। पार्टी की कोशिश प्रदेश के लगभग हर जिले में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की है। वहीं सपा का जोर सीटों के जातीय समीकरण, प्रत्याशी की जीतने की क्षमता और स्थानीय राजनीतिक परिस्थितियों पर है। कांग्रेस अब गठबंधन में पहले से अधिक हिस्सेदारी चाहती है, जिसे सपा के लिए स्वीकार करना आसान नहीं माना जा रहा।

सीट बंटवारे में सपा ने अपनी जीती हुई 111 विधानसभा सीटों पर खुद चुनाव लड़ने की रणनीति बनाई है। पार्टी के अधिकांश मौजूदा विधायकों को दोबारा चुनाव की तैयारी करने के संकेत दिए गए हैं। सपा का मानना है कि इन सीटों पर संगठन और मौजूदा राजनीतिक आधार को देखते हुए जोखिम लेना उचित नहीं होगा।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस को मुख्य रूप से भाजपा की जीती हुई सीटों में हिस्सेदारी देने का फार्मूला सामने आया है। सपा पहले कांग्रेस को 60 से कम सीटें देने की तैयारी में थी, लेकिन बदले राजनीतिक समीकरणों में यह संख्या बढ़कर 75 से 80 तक पहुंच सकती है।

सपा-कांग्रेस गठबंधन के सामने 2024 के लोकसभा चुनाव जैसी सफलता दोहराने की चुनौती है। दोनों दलों को पीडीए के साथ युवाओं, महिलाओं और नए मतदाताओं को भी साधना होगा। कांग्रेस की नजर खास तौर पर जेन-जी मतदाताओं पर है, जबकि सपा भी युवाओं और महिलाओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर काम कर रही है।

सीटों के साथ प्रत्याशियों के नाम और स्थानीय जातीय समीकरण तय होने के बाद ही गठबंधन का अंतिम फार्मूला सामने आने की संभावना है।

चैंबर निर्माण पर वकीलों में टकराव, शिलापट तोड़ा

यूनिक समय, ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर स्थित जिला दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन कार्यालय परिसर में चैंबर निर्माण को लेकर मंगलवार सुबह अधिवक्ताओं के दो गुट आमने-सामने आ गए। निर्माण का विरोध कर रहे वकीलों ने कार्यालय परिसर में हंगामा किया। इस दौरान चैंबर निर्माण से संबंधित शिलापट तोड़ दिया गया और निर्माण के लिए लाई गई सामग्री को उठाकर बाहर फेंक दिया गया। घटना के बाद परिसर में तनाव की स्थिति बन गई। बताया गया कि बार एसोसिएशन कार्यालय परिसर में चैंबर निर्माण की तैयारी चल रही थी। इसके लिए कुछ सामान कार्यालय में लाया गया था। इसकी जानकारी मिलने पर विरोधी गुट के अधिवक्ता मौके पर पहुंच गए और निर्माण का विरोध करने लगे। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और हंगामा शुरू हो गया। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

अमेरिका ने अंतरिक्ष में तैनात किए हथियार

रूस-चीन को खुली चेतावनी, क्या शुरू हो गई नई स्पेस वॉर

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका ने अंतरिक्ष को लेकर एक बड़ा और चौंकाने वाला खुलासा किया है। अमेरिकी स्पेस फोर्स ने पहली बार पुष्टि की है कि उसके पास अंतरिक्ष की कक्षा में ऐसे हथियार तैनात हैं, जिनका इस्तेमाल दुश्मन की आक्रामक कार्रवाई से अमेरिकी सैन्य बलों की रक्षा के लिए किया जा सकता है। इस घोषणा के बाद रूस और चीन के साथ अंतरिक्ष में बढ़ती सैन्य प्रतिस्पर्धा को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

अमेरिकी एयर फोर्स के सेक्रेटरी ट्रॉय मींक ने मैरीलैंड के नेशनल हार्बर में आयोजित एयर, स्पेस एंड साइबर कॉन्फ्रेंस में कहा कि अमेरिकी फोर्स को दुश्मन ताकतों से बचाने के लिए 'ऑन-ऑर्बिट' हथियार जरूरी हैं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये हथियार किस प्रकार के हैं या इन्हें कितनी संख्या में तैनात किया गया है। अधिक जानकारी पूछे जाने पर उन्होंने कोई अतिरिक्त विवरण देने से इनकार कर दिया। अमेरिकी स्पेस फोर्स के एक प्रवक्ता ने बताया कि अमेरिका के पास ऑर्बिट में ऐसे स्पेस-कंट्रोल हथियार मौजूद हैं, जो दुश्मन की आक्रामक कार्रवाई से संयुक्त सैन्य बलों की रक्षा कर सकते हैं। इन क्षमताओं में काइनेटिक और नॉन-काइनेटिक तरीके शामिल हैं और इनका इस्तेमाल हमले तथा बचाव, दोनों के लिए किया जा सकता है। अमेरिका रूस और चीन को अंतरिक्ष में अपने प्रमुख रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी मानता है। अमेरिकी आकलन के मुताबिक चीन अपनी सैन्य आधुनिकीकरण नीति के तहत काउंटर-स्पेस क्षमताएं विकसित कर रहा है, जबकि रूस अंतरिक्ष को भविष्य के युद्ध का महत्वपूर्ण मैदान मानता है। अंतरिक्ष के बढ़ते सैन्यीकरण का असर पूरी दुनिया पर पड़ सकता है। किसी सैटेलाइट को नुकसान पहुंचने से मौसम की जानकारी, आपदा प्रबंधन, संचार और नेविगेशन जैसी सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं। बैंकिंग, कार्गो शिपिंग, राइड-शेयरिंग और आपातकालीन सेवाएं भी सैटेलाइट सिस्टम पर निर्भर हैं। अंतरिक्ष में सैन्य प्रतिस्पर्धा नई नहीं है। 1957 में स्पुतनिक लॉन्च होने के बाद से ही अमेरिका और सोवियत संघ ने अंतरिक्ष आधारित सैन्य क्षमताओं पर काम शुरू कर दिया था। 1967 की आउटर स्पेस ट्रीटी ने कक्षा में बड़े पैमाने पर विनाश करने वाले हथियारों पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन कई अन्य सैन्य क्षमताएं इसके दायरे से बाहर रहीं। ऐसे में अमेरिका का यह खुलासा अंतरिक्ष में शक्ति संतुलन को लेकर नई चिंता पैदा कर रहा है।

कांग्रेस नेता बोले, वो नेशनलिस्ट है एबीवीपी ने जताया विरोध

उमर खालिद की डॉक्यूमेंट्री पर घमासान

यूनिक समय, नई दिल्ली। बेंगलुरु स्थित नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी (एनएलएसआइयू) में जेल में बंद एक्टिविस्ट उमर खालिद पर बनी डॉक्यूमेंट्री की प्रस्तावित स्क्रीनिंग को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। 14 सितंबर को होने वाली स्क्रीनिंग को विश्वविद्यालय ने फिलहाल रद्द कर दिया। यूनिवर्सिटी की ओर से इसके पीछे लॉजिस्टिक और सुरक्षा संबंधी कारण बताए गए हैं। वहीं, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने कार्यक्रम का विरोध करते हुए केंद्रीय मंत्रियों को पत्र लिखकर इसे स्थायी रूप से रद्द करने की मांग की है। विवाद के बीच कांग्रेस नेता और कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद के बयान ने राजनीतिक बहस को और तेज कर दिया। एबीवीपी की ओर से केंद्र सरकार को लिखी चिट्ठी को लेकर सवाल पूछे जाने पर हरिप्रसाद ने तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि नाथूराम गोडसे के अनुयायियों को उमर खालिद पर बोलने का कोई अधिकार नहीं है। इसी दौरान उन्होंने उमर खालिद को 'नेशनलिस्ट' बताया। यह पहला मौका नहीं है जब उमर खालिद से जुड़े किसी कार्यक्रम को लेकर विवाद सामने आया हो। पिछले महीने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) प्रशासन ने उनकी किताब 'बंटे हुए समुदाय' पर प्रस्तावित चर्चा के लिए एसएसएस-1 ऑडिटोरियम की बुकिंग रद्द कर दी थी। यह कार्यक्रम 10 अगस्त को जेएनयू छात्र संघ की ओर से आयोजित किया जाना था। प्रशासन ने कहा था कि बुकिंग के आवेदन में कार्यक्रम से जुड़ी पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई थी। उमर खालिद को सितंबर 2020 में यूएपीए के तहत गिरफ्तार किया गया था और दिल्ली दंगों की कथित साजिश में आरोपी बनाया गया है। एनएलएसआइयू में डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग रद्द होने और कांग्रेस नेता के बयान के बाद यह मुद्दा एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है।

स्वतंत्र भारद्वाज को बड़ी राहत

पटियाला हाउस कोर्ट ने दी पांच हफ्ते की अंतरिम जमानत

यूनिक समय, नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर अपने बयानों को लेकर चर्चा में आए स्वतंत्र भारद्वाज को दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने उन्हें तीन हफ्ते की अंतरिम जमानत दे दी है। स्वतंत्र भारद्वाज को सीजेपी एक्टिविस्ट निशु आजाद के पिता संजय आजाद के साथ कथित मारपीट से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया था। उन पर एक वीडियो इंटरव्यू में संजय के साथ मारपीट करने का दावा करने का आरोप है। स्वतंत्र भारद्वाज को 4 सितंबर को बुलंदशहर में हिरासत में लिया गया था। इसके बाद 7 सितंबर को उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। सोमवार को हुई सुनवाई में अदालत ने उनकी जमानत याचिका पर आदेश सुरक्षित रख लिया था। अब पटियाला हाउस कोर्ट ने उन्हें तीन सप्ताह की अंतरिम जमानत देने का फैसला किया है। मामला निशु आजाद की शिकायत से जुड़ा है। निशु ने आरोप लगाया था कि स्वतंत्र भारद्वाज ने उनके पिता संजय आजाद के साथ मारपीट की थी। उन्होंने एक वीडियो में यह भी दावा किया था कि पुलिस ने शुरुआत में एफआईआर दर्ज करने में कार्रवाई नहीं की। वहीं, भारद्वाज के वकील ने अदालत में दावा किया कि गिरफ्तारी कुछ राजनीतिक घटनाक्रमों के बाद हुई और शिकायतकर्ता ने भी पहले उनके मुवक्किल पर हमला किया था। पुलिस ने मामले में एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम और आपराधिक धमकी से जुड़ी धाराएं लगाई हैं। इसके अलावा बीएनएस की धारा 351(3), 78 और 79 तथा आईटी एक्ट की धारा 67 भी एफआईआर में शामिल की गई हैं। अब तीन सप्ताह की अंतरिम जमानत मिलने के बाद स्वतंत्र भारद्वाज को इस मामले में अस्थायी राहत मिली है।

लालबागचा राजा के दरबार में पहुंचे अमेरिकी राजदूत

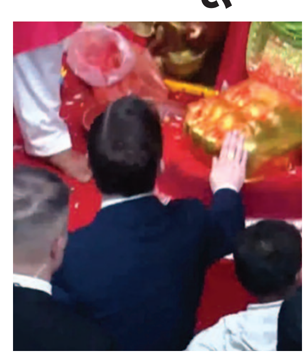

गणपति के पैर छूकर बोले, ऊर्जा अद्भुत है

यूनिक समय, नई दिल्ली। मुंबई में गणेश चतुर्थी के साथ 11 दिवसीय गणेशोत्सव की धूम शुरू हो गई है। शहर की गलियां 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारों और ढोल-नगाड़ों से गूंज रही हैं। इसी बीच भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने प्रसिद्ध लालबागचा राजा के दर्शन किए और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने गणपति के पैर भी छुए। उनके दर्शन का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें वह पूरी श्रद्धा के साथ बप्पा के सामने नजर आए। दर्शन के बाद सर्जियो गोर ने अपने अनुभव को बेहद खास बताया। उन्होंने कहा कि यहां आकर वह काफी सम्मानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने लालबागचा राजा के दर्शन को अद्भुत अनुभव बताते हुए कहा कि यहां की ऊर्जा को शब्दों में बयां करना मुश्किल है। उन्होंने लोगों से भी इस भव्य आयोजन को देखने के लिए मुंबई आने की अपील की।

अमेरिकी राजदूत ने सोशल मीडिया पर भी लालबागचा राजा और मुंबईचा राजा के दर्शन की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने लिखा कि यह आस्था और समुदाय का ऐसा जीवंत रूप है, जो लोगों को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने गणेश चतुर्थी मनाने वाले सभी लोगों को शुभकामनाएं भी दीं। वहीं, गणेशोत्सव के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के आवास पर गणपति दर्शन के लिए पहुंचे। उन्होंने भगवान गणेश से सभी पर कृपा बनाए रखने की कामना की। मुंबई में अंबानी परिवार के घर भी गणेश पूजा का आयोजन हुआ, जिसमें सलमान खान, विक्की कौशल और कैटरीना कैफ समेत कई सितारे शामिल हुए।

एक परिवार के पांच बच्चों ने पास की नीट परीक्षा

दिहाड़ी मजदूरी से डॉक्टर बनने तक का सफर

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओडिशा के कंधमाल जिले के एक गरीब परिवार के पांच बच्चों ने अपनी मेहनत और लगन से ऐसी मिसाल पेश की है, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। दिहाड़ी मजदूरी, खेती और आर्थिक तंगी के बीच जिंदगी गुजारने वाले इस परिवार के चार बच्चों और एक भतीजी ने नीट परीक्षा पास कर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीट हासिल की है। परिवार के पास महंगी कोचिंग या बड़े शहरों जैसी सुविधाएं नहीं थीं, लेकिन बच्चों ने मुश्किल हालात को अपनी सफलता के रास्ते में नहीं आने दिया। कंधमाल के दरिंगबाड़ी ब्लॉक निवासी 73 वर्षीय बुर्सी प्रधान ने परिवार का खर्च चलाने के लिए कई वर्षों तक दिहाड़ी मजदूरी की। उन्होंने केरल में भी मजदूरी की। उनकी पत्नी अनुसया प्रधान खेतों में काम करती हैं। आर्थिक परेशानियों के बावजूद दोनों ने बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता दी।

परिवार में मेडिकल शिक्षा की शुरुआत बड़े बेटे विभीषण प्रधान से हुई। उन्होंने 2021 में नीट पास कर कोरापुट के श्री लक्ष्मण नायक मेडिकल कॉलेज में दाखिला लिया। अगले साल उनकी बहन मोनालिसा भी नीट में सफल हुईं। तैयारी के दौरान मोनालिसा ने ब्रह्मपुर की कपड़े की दुकान में काम भी किया और भाई की पढ़ाई में मदद की। इसके बाद असरिया प्रधान और सुनेमी प्रधान ने नीट पास कर क्रमशः भवानीपटना और बलांगीर के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस में दाखिला लिया। इसी साल परिवार की भतीजी मिनाक्षी प्रधान ने भी परीक्षा पास की और पुरी के श्री जगन्नाथ मेडिकल कॉलेज में सीट हासिल की। इस तरह परिवार के पांच युवा अब डॉक्टर बनने की राह पर हैं। खास बात यह है कि असरिया और सुनेमी ने बिना औपचारिक कोचिंग के तैयारी की थी। हालांकि, पांच बच्चों की मेडिकल पढ़ाई का खर्च परिवार के लिए बड़ी चुनौती है और दाखिले के लिए उन्हें कर्ज भी लेना पड़ा। इसके बावजूद यह परिवार दिखाता है कि सीमित संसाधनों के बीच भी मेहनत और पारिवारिक सहयोग से बड़े सपने पूरे किए जा सकते हैं।

एआई दुनिया पर कब्जा करेगा या रोबोट मचाएंगे तबाही

ट्रंप बोले, जो एआई रेस जीतेगा, वही सबसे ऊपर रहेगा

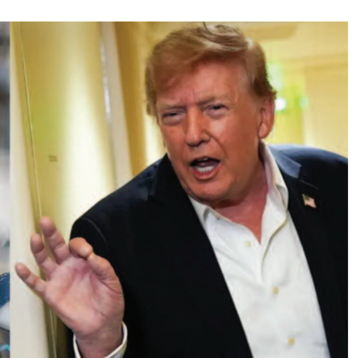

यूनिक समय, नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई के तेजी से बढ़ते प्रभाव के बीच दुनिया में यह सवाल लगातार उठ रहा है कि क्या भविष्य में एआई इंसानों के लिए खतरा बन सकता है? क्या रोबोट शहरों में घुसकर लोगों को खत्म कर देंगे? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन आशंकाओं को सिरे से खारिज करते हुए एआई के विकास पर किसी भी तरह की रोक लगाने का विरोध किया है। ट्रंप का कहना है कि एआई की रेस में जो देश आगे रहेगा, वही दुनिया में सबसे मजबूत स्थिति में होगा।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल पर एआई को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि यह दावा कि एआई दुनिया पर कब्जा कर लेगा, उसे निगल जाएगा और बर्बाद कर देगा तथा रोबोट शहरों में घुसकर इंसानों को खत्म कर देंगे, एक झूठ है। ट्रंप ने ऐसी आशंकाओं को बेहद बेतुका बताते हुए इसकी तुलना अपने राजनीतिक विरोधियों द्वारा फैलाए गए दूसरे दावों से की। ट्रंप ने कहा कि एआई के विकास को सीमित करने या रोकने की मांग नकारात्मक सोच का परिणाम है। उनके मुताबिक, एआई को लेकर ऐसी बातें कही जा रही हैं जो कभी होंगी ही नहीं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अमेरिका को एआई के क्षेत्र में अपनी बढ़त बनाए रखनी चाहिए, क्योंकि जो देश एआई की दौड़ जीतता है, वही सबसे आगे रहेगा। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका फिलहाल एआई के विकास में चीन से आगे है और वह इस बढ़त को कायम रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि एआई के लिए जिस एकमात्र सीमा या सुरक्षा नियम की जरूरत है, वह एक मजबूत और समझदार राष्ट्रपति है और अमेरिका के पास ऐसा राष्ट्रपति है।

ट्रंप ने एआई को लेकर चिंता जताने वालों पर भी निशाना साधा। उन्होंने दुनिया पर एआई के कब्जे के दावे को ग्लोबल वार्मिंग और अपने खिलाफ लगाए गए दूसरे राजनीतिक आरोपों से जोड़ते हुए इन्हें निराधार बताया। उनके मुताबिक, एआई को लेकर डर फैलाने के बजाय अमेरिका को इस तकनीकी दौड़ में अपनी बढ़त मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए। ट्रंप के इस बयान ने एक बार फिर एआई के भविष्य, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को लेकर बहस तेज कर दी है।

तिरंगे में पहुंचा वीर सपूत, हजारों नम आंखों ने दी अंतिम विदाई

बमरौली अहीर में गूंजे अभिषेक यादव अमर रहें के नारे,भाई सुमित ने दी मुखाग्नि

शहीद स्मारक और मार्ग के नामकरण की मांग पर रुका अंतिम संस्कार

एसएसबी जवानों ने दी अंतिम सलामी

यूनिक समय, आगरा। बिहार के सुपौल में प्रशिक्षण के दौरान जान गंवाने वाले एसएसबी जवान अभिषेक यादव का पार्थिव शरीर सोमवार दोपहर करीब दो बजे उनके पैतृक गांव बमरौली अहीर पहुंचा। तिरंगे में लिपटे वीर जवान के पार्थिव शरीर को देखते ही माहौल गमगीन हो गया। गांव के युवाओं ने तिरंगा यात्रा निकालकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। करीब एक घंटे तक निकली यात्रा में बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। एसएसबी के जवान उपनिरीक्षक केवल सिंह के साथ पार्थिव शरीर लेकर गांव पहुंचे थे।

अंत्येष्टि स्थल पर पहुंचने के बाद ग्रामीणों ने गांव में अभिषेक यादव के नाम पर शहीद स्मारक बनाने और उसके लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग रखी। इसके साथ ही रोहता–बमरौली अहीर और रोहता–बरौली अहीर मार्ग का नामकरण अभिषेक यादव मार्ग करने की मांग की गई। मांगों को लेकर करीब तीन घंटे तक अंतिम संस्कार रुका रहा। मौके पर पहुंचे एसडीएम सदर विक्रम सिंह राघव, तहसीलदार सत्येंद्र कुमार और अन्य अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। इस दौरान प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से कहासुनी भी हुई। करीब तीन घंटे की बातचीत के बाद ब्लॉक प्रमुख बिचपुरी के पति सोनू दिवाकर ने श्मशान घाट के संपूर्ण सौंदर्यीकरण का आश्वासन दिया। इसके बाद बुजुर्गों की समझाइश पर ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। लखनऊ और सुपौल से एसएसबी के करीब 20 जवानों की टुकड़ी ने मातमी धुन के बीच अभिषेक यादव को अंतिम सलामी दी। हजारों लोगों ने 'अभिषेक यादव अमर रहें' और 'जब तक सूरज चांद रहेगा, अभिषेक तेरा नाम रहेगा' के नारे लगाए। शाम करीब 6:30 बजे छोटे भाई सुमित यादव ने मुखाग्नि दी। पूरे गांव की आंखें नम थीं।

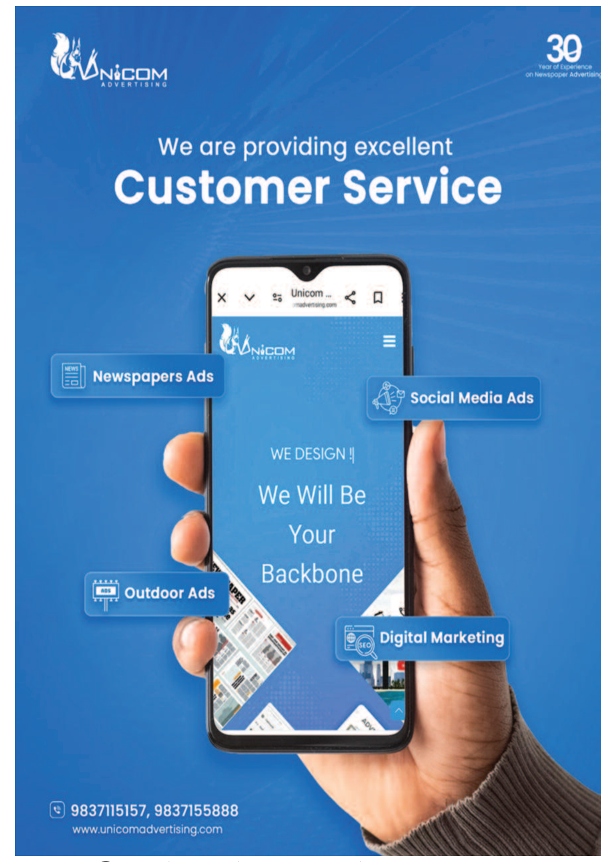

एएमयू में छात्राओं के प्रदर्शन से गरमाया माहौल

फर्जी वीडियो वायरल करने पर केस दर्ज

देर रात छात्र ने राष्ट्रपति को भेजी शिकायत

यूनिक समय,अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में छात्राओं के प्रदर्शन के बाद सोमवार को परिसर का माहौल तनावपूर्ण रहा। छात्राओं ने भोजन की गुणवत्ता और कथित अभद्र व्यवहार के विरोध में प्रदर्शन किया। इसी बीच प्रदर्शन से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें पुलिस पर छात्राओं के खिलाफ आंसू गैस के इस्तेमाल का दावा किया गया। पुलिस जांच में वीडियो में दिखाई दे रहे सुरक्षाकर्मी एएमयू के निजी सुरक्षा कर्मचारी पाए गए। पुलिस का कहना है कि वह परिसर में गई ही नहीं थी। फर्जी दावा वायरल करने वाले अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सिविल लाइंस थाने में केस दर्ज किया गया है।

सोमवार रात छात्राओं के समर्थन में डक पॉन्ड से बाब–ए–सैयद तक विरोध मार्च निकाला गया। प्रदर्शनकारियों ने छात्राओं से कथित धक्का–मुक्की करने वालों पर कार्रवाई की मांग की। एएमयू के विधि छात्र इब्राहिम खान ने देर रात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को ई–मेल भेजकर प्रॉक्टर पर अभद्र व्यवहार और धक्का–मुक्की के आरोप लगाए तथा वीडियो साक्ष्य भेजे।

प्रॉक्टर प्रो. नवेद खान ने आरोपों से अलग छात्राओं पर असिस्टेंट प्रॉक्टर से हाथापाई और नुकीली चीज से हमला करने का आरोप लगाया। उनका कहना है कि शनिवार को छात्रों के साथ भोजन कर गुणवत्ता पर चर्चा की गई थी। सोमवार दोपहर कुलपति प्रो. नईमा खातून ने छात्राओं के प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की। इसके बाद छात्राओं की फूड कमेटी बनाने और मेन्यू व भोजन की गुणवत्ता पर सुझाव देने पर सहमति बनी।

यूपी में जयपुर रियासत की संपत्तियों पर राजस्थान सरकार का दावा

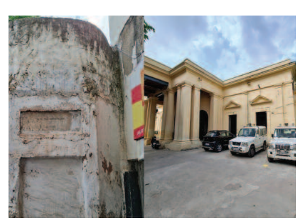

1952 के विलय समझौते का दिया हवाला

आगरा समेत चार जिलों से मांगी गई संपत्तियों की रिपोर्ट

आगरा में 100 बीघा जमीन और दो कोठियों का ब्योरा

मथुरा में धर्मशाला, प्रयागराज में 35 एकड़ जमीन हैं शामिल

यूनिक समय, आगरा। राजस्थान सरकार ने उत्तर प्रदेश के आगरा, प्रयागराज, वाराणसी और मथुरा में मौजूद जयपुर रियासत की संपत्तियों पर दावा जताते हुए इन्हें राजस्थान के नाम दर्ज करने की मांग की है। राजस्थान के मुख्य सचिव ने 1952 के विलय समझौते का हवाला देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को पत्र भेजा है। इसके बाद राजस्व परिषद के आयुक्त ने चारों जिलों के जिलाधिकारियों से संपत्तियों का रिकॉर्ड और वर्तमान स्थिति की रिपोर्ट मांगी है। आगरा में जयपुर हाउस की दो कोठियों के साथ करीब 100 बीघा जमीन, सदाशिव मनकामेश्वर मंदिर और सड़क की पट्टी को रियासत की संपत्ति बताया गया है। डीएम ने नगर निगम, आगरा विकास प्राधिकरण और एसडीएम सदर से संबंधित अभिलेख तलाशकर रिपोर्ट देने को कहा है। जयपुर हाउस की जमीन पर नगर महापालिका द्वारा करीब 350 प्लॉट काटे जाने का भी रिकॉर्ड सामने आया है। अब जमीन के हस्तांतरण और आवंटन से जुड़े पुराने दस्तावेज खंगाले जा रहे हैं।

राजस्थान सरकार के दावे में प्रयागराज में 35.25 एकड़ जमीन, वाराणसी में मान मंदिर क्षेत्र के 44 मकान और मानमंदिर घाट तथा मथुरा में 2.16 एकड़ जमीन में जसवंतगंज धर्मशाला व छह कोठरियां शामिल हैं। अधिकारियों की जांच के बाद ही स्पष्ट होगा कि इन संपत्तियों का वर्तमान स्वामित्व और अभिलेखीय स्थिति क्या है। मामले ने दशकों पुराने रियासती संपत्ति रिकॉर्ड को फिर चर्चा में ला दिया है।

पार्क में खेल रहे चार साल के बच्चे को कुत्तों ने नोचा

झुंड ने गिराकर तीन मीटर तक घसीटा

दादी ने डंडा मारकर छुड़ाया

अस्पताल में चल रहा उपचार, नगर निगम पर लापरवाही का आरोप

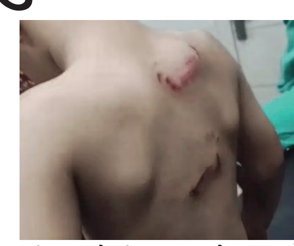

यूनिक समय, आगरा। ताजनगरी फेस–2 स्थित एडीए हाइट्स सोसायटी में सोमवार शाम आवारा कुत्तों के झुंड ने पार्क में खेल रहे चार वर्षीय बच्चे पर हमला कर दिया। कुत्तों ने बच्चे को जमीन पर गिराकर नोंचा और करीब तीन मीटर तक घसीट ले गए। पास मौजूद दादी ने डंडा मारकर किसी तरह कुत्तों को भगाया। हमले में बच्चे की पीठ, हाथ और पैर पर कई जख्म हो गए। राहुल गौतम का चार वर्षीय बेटा रुद्रांश शाम करीब सात बजे सोसायटी के पार्क में अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। उसकी दादी हेमलता गौतम भी पास में मौजूद थीं। इसी दौरान बेसमेंट की तरफ से तीन–चार कुत्ते आए और बच्चे पर झपट पड़े। बच्चे के जमीन पर गिरते ही कुत्तों ने उसे नोंचना शुरू कर दिया। इसके बाद उसे घसीटते हुए करीब तीन मीटर दूर ले गए। दादी ने डंडा चलाकर कुत्तों को भगाया और बच्चे को बचाया।

घायल रुद्रांश को परिजन एसएन मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने उपचार के बाद करीब दो घंटे में उसे छुट्टी दे दी। परिजनों का आरोप है कि सोसायटी में आने वाले आवारा कुत्तों को पकड़वाने के लिए नगर निगम से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई।

घटना के बाद सोसायटी के लोगों में दहशत और आक्रोश है। लोगों ने आवारा कुत्तों को पकड़ने और बच्चों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है।

100 साल पुरानी सीमा रेलवे क्रॉसिंग स्थायी रूप से बंद

रेलवे ने चहारदीवारी का काम शुरू किया

लोगों ने जताया विरोध और वैकल्पिक रास्ते की मांग की

चहारदीवारी का काम शुरू होते ही जुटे लोग

एएमयू, कोर्ट और बाजार जाने वालों की बढ़ेगी दूरी

यूनिक समय, अलीगढ़। दिल्ली–हावड़ा रेल मार्ग पर करीब 100 साल से शहरवासियों की आवाजाही का जरिया रही सीमा रेलवे क्रॉसिंग (गेट नंबर–110) सोमवार से स्थायी रूप से बंद कर दी गई। रेलवे ने क्रॉसिंग के दोनों ओर रास्ता बंद कर चहारदीवारी बनाने का काम शुरू कराया। इसकी जानकारी मिलते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और विरोध जताया। लोगों का कहना है कि फाटक बंद करने से पहले सुविधाजनक वैकल्पिक रास्ते की व्यवस्था की जानी चाहिए थी।

रेलवे कर्मचारी जेसीबी और निर्माण सामग्री के साथ मौके पर पहुंचे और रास्ता बंद करने का काम शुरू किया। विरोध की आशंका को देखते हुए आरपीएफ और पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस रेलखंड पर ट्रेनें करीब 160 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरती हैं।

सुरक्षा को देखते हुए क्रॉसिंग बंद करना जरूरी था। अधिकारियों के अनुसार कठपुला करीब 50 मीटर और जेल रोड ओवरब्रिज करीब 500 मीटर दूर है। स्थानीय लोगों के मुताबिक सीमा क्रॉसिंग शहर और सिविल लाइंस के बीच अहम संपर्क मार्ग था। एएमयू, कोर्ट, स्कूल, बाजार और मतदान केंद्रों तक जाने के लिए लोग इसका इस्तेमाल करते थे। अब वैकल्पिक रास्तों से दूरी बढ़ जाएगी। लोगों ने कहा कि वाहनों के लिए क्रॉसिंग बंद की जा रही है तो कम से कम पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित रास्ता उपलब्ध कराया जाए। बुजुर्गों और बच्चों को सबसे अधिक परेशानी होने की आशंका जताई गई है।

पति को हिरासत में लेने के बाद प्रसूता की मौत, दो दरोगा समेत छह निलंबित

परिजनों ने पुलिस पर पेट में लात मारने का लगाया आरोप

यूनिक समय, फिरोजाबाद। शिकोहाबाद के लभौआ गांव में चोरी के शक में युवक को हिरासत में लेने के बाद उसकी नौ माह की गर्भवती पत्नी अंजली की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि रविवार रात पुलिस गौरव को घर से थाने ले जा रही थी। विरोध करने पर अंजली को धक्का दिया गया और पेट में लात मारी गई। पति के जाने के बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई। सोमवार सुबह उसने बेटे को जन्म दिया, लेकिन बाद में उसकी मौत हो गई।

अंजली की मौत की खबर पर ग्रामीणों ने शिकोहाबाद थाने पहुंचकर हंगामा किया और कुर्सियां तोड़ दीं। अधिकारियों के समझाने पर लोग शांत हुए। शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

एसपी आदित्य लांग्हे ने छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर जांच के आदेश दिए। अस्पताल के अनुसार अंजली का हीमोग्लोबिन पांच ग्राम था और प्रसव के बाद रक्तचाप गिर गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा।